हिन्दी व अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

ईस्ट इंडिया टाइम्स

लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, शाहजहॉपुर, बस्ती, गोरखपुर, सुलतानपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र ,बहराइच, मऊ, बलिया, देवरिया,उत्तराखण्ड, राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश से प्रसारित व आजमगढ़ से प्रकाशित।

R.N.I.No. -UPBIL/2015/65016 | वर्ष - 09 अंक -143 | आजमगढ़ , रविवार, 18 मई 2025 | मूल्य -2 रूपए, पेज संख्या- 8

♦ सीएम ने आयुष विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में किया बड़ा ऐलान

हर मंडल में बनेंगे इंटीग्रेटेड आयुष महाविद्यालय: मुख्यमंत्री योगी

♦ एक ही परिसर में आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी की हो सकेगी चिकित्सा

लखनऊ सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयुष विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश के हर मंडल में इंटीग्रेटेड आयुष महाविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। इन कॉलेजों में आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी समेत आयुष की सभी चिकित्सा पद्धतियां एक ही परिसर में उपलब्ध कराई जाएंगी। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि यह न सिर्फ प्रदेश के लिए एक सशक्त हेल्थ संरचना तैयार करेगा, बल्कि परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को भी वैश्विक पहचान दिलाएगा। सीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य के सभी आयुष संस्थानों में नेचुरोपैथी और योग सेंटर की स्थापना अनिवार्य रूप से हो। उन्होंने कहा, आयुष सिर्फ इलाज नहीं, जीवनशैली है। इसे जन–जन तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष संस्थानों में शत–प्रतिशत सैचुरेशन के साथ सभी पदों की समयबद्ध भर्ती की जाए। इससे न केवल सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे।सीएम योगी ने निर्देश दिए कि हर जिले में सरकारी या पीपीपी मॉडल पर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किए जाएं। इन सेंटरों के माध्यम से आमजन को प्राथमिक आयुष सेवाएं सुलभ कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय की निर्माण प्रक्रिया गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से पूरी हो। साथ ही प्रदेश में चल रही सभी निर्माणाधीन आयुष

परियोजनाओं को तेज़ी से पूरा किया जाए। सीएम योगी ने कहा कि आयुष क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निजी क्षेत्र के संचालित आयुष कॉलेज और चिकित्सालयों के मानकों की समीक्षा कर इन्फ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी, लैब, लाइब्रेरी आदि की गुणवत्ता सुनिश्चित कराई जाए। सीएम ने कहा कि आयुर्वेद में पंचकर्म जैसी पद्धतियां गंभीर बीमारियों में अत्यधिक प्रभावी हैं। इन पद्धतियों को प्रदेश के सभी आयुष संस्थानों में प्रोत्साहित किया जाए और आमजन को इनके लाभों की जानकारी दी जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के सफल आयोजन के लिए अभी से तैयारियां शुरू की जाएं। हर जिले में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स की व्यवस्था की जाए, जो आम जनता को योग का प्रशिक्षण दे सकें। सीएम ने निर्देश दिए कि डाबर, वैद्यनाथ, पतंजलि जैसी संस्थाओं के साथ एमओयू कर सभी आयुष संस्थानों में जरूरी दवाओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 2,127 आयुर्वेदिक, 259 यूनानी और 1,598 होम्योपैथिक चिकित्सा संस्थान संचालित हो रहे हैं।

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक अभियान: राकांपा की ओर से सुले टीम में शामिल

पुणे । शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की शीर्ष नेता एवं बारामती सांसद सुप्रिया सुले को आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर भारत का कड़ा रुख और संदेश पेश करने के लिए सरकार द्वारा भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है।श्री सुले ने शनिवार को यह अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्रालय और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का आभार जताया। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान सीमा पार से लगातार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। इसे बेनकाब करना और इसकी असलियत उजागर करना जरूरी है। हम सभी तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भारत इसके लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार है।'' उन्होंने कहा, "यह सच है कि भारत ने दुनिया को बार–बार दिखाया है कि वह देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है।"उन्होंने कहा, "बारामती लोकसभा क्षेत्र के लोगों के प्रतिनिधि के रूप में वैश्विक स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। यह केवल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों द्वारा दिए गए निरंतर विश्वास, अटूट प्यार और सेवा के अवसर के कारण ही संभव हो पाया है। "श्रीमती सुले ने कहा, "इसके लिए हम सभी उनके ऋणी हैं।" उन्होंने कहा, "हम सभी देशवासियों की ओर से आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

जम्मू–कश्मीर के कुलगाम में सेना का सर्च आपरेशन जारी

श्रीनगर ,17 मई। जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले के गुड्डर वन क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना के बाद भारतीय सेना ने बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। यह ऑपरेशन बीती रात शुरू हुआ और अब भी जारी है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज़ कर दिया है।यह ऑपरेशन उस व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए शुरू की गई थी। सेना और खुफिया एजेंसियों की ओर से जारी की गई हिट लिस्ट में 14 सक्रिय आतंकियों के नाम शामिल हैं। इनमें से अब तक 6 आतंकियों को मार गिराया गया है, जबकि शेष 8 की तलाश की जा रही है। सेना ने स्पष्ट किया है कि घाटी में बचे हुए किसी भी आतंकी को बख्शा नहीं जाएगा। सूत्रों के अनुसार, दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के गड्डर वन क्षेत्र में कुछ आतंकियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद सेना ने फौरन कार्रवाई की। इलाके में भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है और पूरे क्षेत्र को सील कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

का0 कु.शान्ति यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ,जांच जारी

अयोध्या। अयोध्या मंडल कारागार में तैनात महिला आरक्षी शांति यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार दोपहर उसका शव जेल परिसर स्थित सरकारी आवास में छत के कुंडे से लटका मिला। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है, लेकिन हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है। शांति यादव (27) मूल रूप से जौनपुर जिले की रहने वाली थी। वह सितंबर 2021 से अयोध्या जेल में आरक्षी के पद पर तैनात थीं। जानकारी के मुताबिक, 12 मई को वह एक दिन की छुट्टी लेकर अपने गांव गई थीं, जहां एक शादी समारोह में शामिल हुईं। 13 मई को वह अयोध्या लौट आईं, लेकिन अपनी दूसरी पाली की ड्यूटी (12:30 बजे दोपहर) पर नहीं पहुंचीं। शांति जेल परिसर में बने सरकारी क्वार्टर में रहती थीं। उनके साथ रेखा नाम की एक अन्य महिला आरक्षी भी उसी कमरे में रहती थीं। रेखा ने पुलिस को बताया कि वह सुबह 7:30 बजे ड्यूटी पर चली गई थीं। जब दोपहर में लौटीं तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो अन्य लोगों को इसकी सूचना दी। इसके बाद बाहर से सीढ़ी लगाकर खिड़की तोड़कर देखा गया तो उसका शव दुपट्टे के फंदे से लटका हुआ था। फौरन जेल प्रशासन को सूचना दी गई। सूचना के बाद जेल पुलिस और कोतवाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फोन पर परिजन को मौत की सूचना दी।

रजनीखंड में दूषित पानी और गंदगी से लोग परेशान, सड़क जाम कर प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र स्थित रजनीखंड में शनिवार को स्थानीय निवासियों ने नगर निगम जोन–8 के खिलाफ प्रदर्शन किया। सुबह 11 बजे से शुरू हुआ यह प्रदर्शन करीब दो घंटे तक चला। कॉलोनी वासियों ने दूषित जलापूर्ति और साफ–सफाई की समस्या को लेकर सड़क जाम कर दी। उन्होंने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान मौके पर कोई भी निगम अधिकारी नहीं पहुंचा। इससे नाराज होकर स्थानीय निवासियों ने नगर आयुक्त को फोन कर समस्या से अवगत कराया।

मुकदमा तक नहीं लिख पाते वाराणसी के 50 दरोगा

♦ 589 में से 145 रिव्यू में फेल हुए, भड़के कमिश्नर ने लगाई क्लास

वाराणसी। यूपी में कमिश्नरेट लागू होने के बाद पहली बार वाराणसी में पुलिसिंग का रिव्यू किया गया। इसमें कई सब इंस्पेक्टर की पोल खुल गई। रिव्यू में 589 दरोगा शामिल हुए। इनमें 145 ऐसे निकले, जो 75 में 25 नंबर भी नहीं ला सके। रिव्यू में सामने आया कि 50 से ज्यादा दरोगा थ्रू तक नहीं लिख पाते। 6 दरोगा 'स्टार परफॉर्मर' बने, इन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं, फेल होने वालों को विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कहा– रिव्यू से ही सबकी रिपोर्ट तैयार की जाएगी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने अपने कैंप कार्यालय में शुक्रवार की देर शाम मंथली रिव्यू किया। उन्होंने बताया– कमिश्नरेट में तैनात सब इंस्पेक्टर के मासिक कार्य के आधार पर उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट तैयार की गई है। 75प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले सब इंस्पेक्टर में मंडुवाडीह थाने के राजदर्पण तिवारी व अमरजीत कुमार, रोहनिया थाने के विकास कुमार मौर्य, चेतगंज थाने की मीनू सिंह, कोतवाली थाने की निहारिका साहू और रामनगर थाने की अंशू पांडेय शामिल हैं। 589 सब इंस्पेक्टर में 145 न्यूनतम अंक 33प्रतिशत भी नहीं पा सके। इन सभी को एक माह के लिए पुलिस लाइन में अटैच कर प्रशिक्षण कराया जाएगा। 100 दरोगा ऐसे निकले, जिन्हें पब्लिक डीलिंग नहीं आती है। वहीं, 444 ने संतोषजनक अंक पाए। कार्यशैली में सुधार के प्रशिक्षण के साथ परेड और फुट पेट्रोलिंग भी कराई जाएगी। इसके अलावा रिव्यू के आधार पर फेल दरोगा के परफॉर्मेंस में सुधार के लिए प्रत्येक दिन 10–10 दरोगा की पुलिस कमिश्नर खुद काउंसलिंग करेंगे। कामकाज के ढर्रे में सुधार न होने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कैंप कार्यालय पर क्राइम मीटिंग में जनता की शिकायतों के निस्तारण, सुगम यातायात व अपराध नियंत्रण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले हुक्का बार व स्पा सेंटर में अनैतिक गतिविधियों पर कार्रवाई की जाए। एसीपी और थानेदार शहर में आनॅलाइन सट्घ्टा, जुआं पर नकेल कसें। इसके अलावा सड़कों पर स्टंट करने वाले, ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों, शराब तस्करों पर एक्शन लें।

भारत का विरोध करने वाले देशों की अर्थव्यवस्था को सशक्त न बनायें: जगदीप धनखड

नयी दिल्ली । उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोगों से संकट के समय भारत के खिलाफ खड़े होने तथा भारत के हितों के विरूद्ध काम करने वाले देशों की यात्रा करने और उनसे सामान आयात करने से बचने को कहा है।श्री धनखड़ ने शनिवार को यहां भारत मंडपम में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, " क्या हम उन देशों को सशक्त बना सकते हैं जो हमारे हितों के प्रतिकूल हैं? समय आ गया है जब हममें से प्रत्येक को आर्थिक राष्ट्रवाद के बारे में गहराई से सोचना चाहिए। हम उन देशों की अर्थव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए यात्रा या आयात के माध्यम से खर्च नहीं कर सकते जो संकट के समय हमारे देश के खिलाफ खड़े हो जाते हैं।उन्होंने कहा कि प्रत्येक

व्यक्ति को राष्ट्र की सुरक्षा में मदद करने का अधिकार है। हर व्यक्ति व्यापार, व्यवसाय, वाणिज्य और उद्योग विशेष रूप से सुरक्षा के मुद्दों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा , " मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमें हमेशा एक बात ध्यान में रखनी चाहिए और वह है राष्ट्र पहले। हर चीज को गहरी प्रतिबद्धता, अटूट प्रतिबद्धता, राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण के आधार पर माना जाना चाहिए। और यह मानसिकता हमें अपने बच्चों को पहले दिन से ही सिखानी चाहिए।"उप राष्ट्रपति ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की और सशस्त्र बलों को बधाई दी। इस ऑपरेशन को पहलगाम बर्बर हमले का मुंहतोड़ जवाब बताया।भारत की सभ्यतागत विशिष्टता का उल्लेख करते हुए श्री धनखड़ ने कहा," हम एक राष्ट्र के रूप में अद्वितीय हैं। दुनिया का कोई भी राष्ट्र 5,000 साल पुरानी सभ्यतागत परंपराओं पर गर्व नहीं कर सकता। हमें पूर्व और पश्चिम के बीच की खाई को पाटने की जरूरत है, न कि उसे तोड़ने की।" राष्ट्र विरोधी आख्यानों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा , " हम राष्ट्र–विरोधी आख्यानों को कैसे स्वीकार या अनदेखा कर सकते हैं? विदेशी विश्व विद्यालयों का हमारे देश में आना ऐसी चीज है जिसपर ध्यान देने की जरूरत है। इसके लिए गहन चिंतन की जरूरत है। यह ऐसी चीज है जिसके बारे में हमें बेहद सावधान रहना होगा।"श्री धनखड़ ने शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में बढते व्यावसायीकरण के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा , "यह देश शिक्षा के व्यावसायीकरण को बर्दाश्त नहीं कर सकता। यह निर्विवाद है कि हमारी सभ्यता के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य पैसा कमाने के क्षेत्र नहीं हैं।

ये समाज को वापस देने के क्षेत्र हैं। हमें समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा।" उन्होंने उद्योग जगत से शोध के महत्व पर जोर देते हुए कहा,"शैक्षणिक संस्थानों को पूरी तरह से कॉर्पोरेट द्वारा वित्त पोषित किया जाना चाहिए। सीएसआर फंड को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि शोध में निवेश मौलिक है।"

कांग्रेस में होने और कांग्रेस का होने में फर्क शशि थरूर पर जयराम रमेश का कटाक्ष

नयी दिल्ली । सरकार पर अपने दृष्टिकोण में बेईमान होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद पर भारत की स्थिति को स्पष्ट करने के लिए विदेशी देशों में सरकार के प्रस्तावित प्रतिनिधिमंडलों के लिए अपने चार नामित सांसदों के नाम नहीं बदलेगी। यह तब हुआ है जब सरकार ने कांग्रेस नेता शशि थरूर को उन सात सांसदों में शामिल किया है जो अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जहां उनसे ऑपरेशन सिंदूर के बारे में वैश्विक नेताओं को जानकारी देने की उम्मीद है। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी ने सरकार के प्रस्तावित विदेशी प्रतिनिधिमंडल के लिए चार नाम प्रस्तुत किए थे और आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में एक अलग नाम, शशि थरूर की घोषणा देखकर उन्हें आश्चर्य हुआ। समाचार एजेंसी एएनआई ने जयराम रमेश के हवाले से कहा, "हमसे नाम मांगे गए थे। हमें उम्मीद थी कि हमने जो नाम दिए हैं, उन्हें शामिल किया

जाएगा। हमें उम्मीद थी कि पार्टी द्वारा दिए गए नाम शामिल किए जाएंगे। लेकिन जब हमने पीआईबी की प्रेस विज्ञप्ति देखी, तो हम हैरान रह गए। मैं नहीं कह सकता कि अब क्या होगा। चार नाम पूछना, चार नाम देना और एक और नाम की घोषणा करना सरकार की ओर से बेईमानी है।" कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शशि थरूर का नाम लिए बगैर कहा कि "कांग्रेस में होने और कांग्रेस के होने में जमीन आसमान का फर्क है।" उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मामले में ईमानदारी नहीं सिर्फ शरारत दिखाई है और वह ध्यान भटकाने का खेल खेल रही है क्योंकि उसका विमर्श 'पंचर' हो गया है। उनका यह भी कहा कि यह अच्छी लोकतांत्रिक परंपरा रही है कि आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने वाले सांसद अपनी पार्टी नेतृत्व से अनुमति लेते हैं। उन्होंने कहा कि यह संभव है कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सरकार द्वारा निर्णय लिए जाने के बाद भी राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की हो। उन्होंने कहा कि वह रिजिजू को संदेह का लाभ देने को तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जिस तरह से स्थिति को संभाला गया वह बेईमानी थी और उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस अपने द्वारा प्रस्तावित चार नामों में कोई बदलाव नहीं करेगी। रमेश ने कहा, "कल (मंगलवार) दोपहर 12:30 बजे राहुल जी ने किरण रिजिजू को एक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया: 'प्रिय श्री किरण रिजिजू, मैं विदेश में प्रतिनिधिमंडल के बारे में अपने और खड़गे जी के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह पत्र लिख रहा हूं।

◆ संक्षिप्त खबरें

पुलिस अधीक्षक ने परेड का किया निरीक्षण परेड की ली सलामी, दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

आजमगढ़। आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ हेमराज मीना द्वारा पुलिस लाईन्स आजमगढ़ में शुक्रवार की परेड का निरीक्षण किया गया, परेड में पुलिस लाईन्स तथा पुलिस कार्यालय के विभिन्न शाखाओं में नियुक्त आरक्षी, मुख्यआरक्षी, उ0नि0, निरीक्षकों द्वारा भाग लिया गया। परेड में भाग ले रहें डॉग स्क्वाड व ड्रोन कैमरा दल का भी निरीक्षण किया गया। परेड में अपर पुलिस अधीक्षक नगर शैलेंद्र लाल, क्षेत्राधिकारी नगर

गौरव शर्मा, क्षेत्राधिकारी लालगंज भूपेश कुमार पांडेय व प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाईन्स उपस्थित रहें। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड निरीक्षण के पश्चात आरक्षियों का मेस, बैरक, आवासीय परिसर, जीडी कार्यालय, गणना कार्यालय, आरटीसी कार्यालय, सब्सिडी कैंटीन, जनपद नियंत्रण कक्ष, मोटर वाहन शाखा, स्टोर, क्वार्टर गार्द, शस्त्रागार, गैस एजेन्सी, नफीस कार्यालय अन्य शाखाओं का निरीक्षण करते हुए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा– निर्देश दिया गया। यूपी 112 के दो पहिया तथा चार पहिया वाहनों का निरीक्षण किया गया तथा कमियों को दूर करने हेतु प्रभारी यूपी 112 को निर्देशित किया गया, तैनात कर्मियों की कार्य कुशलता व दक्षता की भी जांच की गई। ड्यूटी के दौरान समस्त कर्मचारी बावर्दी दुरुस्त रहकर अपनी ड्यूटी कर्तव्य निष्ठा के साथ जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया।

साथ ही वाहन में सदैव दंगा नियंत्रण उपकरण रखने, यूपी 112 की गाड़ियों/ टैबलेट व अन्य उपकरणों की साफ–सफाई व रख–रखाव के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

डीएम एसपी द्वारा संयुक्त रूप से गौशालाओं का निरीक्षण

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना द्वारा संयुक्त रूप से आज गौ आश्रय स्थल सेठवल, ब्लाक रानी की सराय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौ आश्रय स्थल पर पर्याप्त भूसा, हरा चारा, पशुओं को भीषण गर्मी से बचाव हेतु फॉगर सिस्टम एवं शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था पायी गयी। जिलाधिकारी द्वारा पशुओं के वैक्सीनेशन आदि के सम्बन्ध में

जानकारी प्राप्त की गयी। उन्होने सहभागिता रजिस्टर का भी अवलोकन किया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि पशुओं के लिए पर्याप्त भूसे का स्टोर है, हरा चारा की बुवाई करा दी गयी है एवं नियमित रूप से पशु चिकित्साधिकारियों द्वारा पशुओं की जांचध्उपचार एवं समय–समय पर वैक्सीनेशन भी किया जाता है।इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा पशुओं को गुड़ व केला खिलाया गया।निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 मुकेश गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मन्दुरी के पास टायर फटने से हुआ हादसा, आठ धायल

आजमगढ़। जनपद के कंधरापुर थाना क्षेत्र के मन्दुरी के पास शनिवार की शाम को मऊ डिपो की अनुबन्धित बस

टायर फटने की वजह से डिवाइडर से टकराकर दूसरी तरफ जाकर पलट गयी। घटना में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गयी।

इस दुर्घटना के शिकार हुए आठ घायलों का मण्डलीय जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। मृतका मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मिल्लतनगर की बताई जा रही है।

19 मई सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन होगा

आजमगढ़। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अशोक कुमार ने बताया है कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत परिवहन निगम एवं व्यावसायिक वाहन के चालकों,परिचालकों का स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण कराया जाना है।उक्त के क्रम में जनपद में 19 मई 2025 से 23 मई 2025 तक प्रातः 10 बजे से 02 बजे के मध्य, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, बस स्टेशन, आजमगढ़ में स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा। उन्होने बताया है कि दिनांक 19 व 20 मई को रोडवेज चालकोंध्परिचालकों का तथा दिनांक 21 से 23 मई तक छूटे हुए रोडवेज चालकों के साथ–साथ अन्य प्राइवेट बस चालकोंध्परिचालकों का नेत्र व स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि उपरोक्त शिविर में दिनांक 19 से 23 मई तक नेत्र विशेषज्ञ डॉ कुंदन गुप्ता, फिजिशियन डॉक्टर नीतिश सिंह, नेत्र परिक्षक डॉ0 केके पांडेय, स्टॉफ नर्स संजीत शर्मा एवं दिनांक 20 से 22 मई तक डॉ सीपी गुप्ता की ड्यूटी लगायी गई है। उपरोक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया जाता है कि वें क्षेत्रीय प्रबन्धक न्ेत्ब् आजमगढ़ से सम्पर्क स्थापित करते हुए उक्त स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण शिविर में निधारित समय व तिथि पर पहुँचकर कार्य सम्पादित करना,कराना सुनिश्चित करें।

सेना की शौर्यता के सम्मान में यात्रा का आयोजन सम्पन्न

आजमगढ़। वासियों और सामाजिक संगठनों द्वारा भारतीय सेना की शौर्यता के सम्मान में शाहिद कुंवर सिंह उद्यान से गांधी तिराहा, रैदोपुर त्रिमूर्ति तिराहा, कलेक्ट्रेट चौराहा, पं दीनदयाल उपाध्याय चौराहा, अग्रसेन चौराहा, होते हुए मेहता पार्क तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन सम्पन्न हुआ।तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि हमारी सेना ने आपरेशन सिंन्दूर के माध्यम से पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हमारे 26 नागरिकों की निर्मम हत्या कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने संकल्प लिया कि हमारी सेना पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही करेगी जो नजीर बनेगी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी सेना ने 6 मई की रात पाकिस्तान

पोषित आतंकवादियों के खिलाफ जिस प्रकार की कार्रवाई की है उससे एक–एक भारतीय का सीना चौड़ा हुआ है। इस तरह की कार्यवाही दुनिया के कुछ चुनिन्दा देश ही कर पाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी सेना ने जो कार्यवाही की है उसका लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है। हमारी सेना ने पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के खिलाफ जो कार्यवाही की है उसके लिए हम सब अपनी सेना के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने बडी सैन्य कार्रवाई के बाद स्पष्ट संदेश दिया कि अब पाकिस्तान से सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। प्रधानमंत्री के संदेश में 140 करोड़ भारतीयों की प्रतिबद्धता निहित है। आज मोदी के नेतृत्व में देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। जिसमें प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर है। ऑपरेशन सिन्दूर देश की बहन, बेटियों के सम्मान तथा सुरक्षा का संकल्प है तथा तिरंगा यात्रा उस संकल्प को पूर्ण करने वाली भारतीय सेना का देशवासियों की ओर से अभिनंदन है।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने नेहरू हाल में आयोजित पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी स्मृति अभियान कार्यशाला को संबोधित किया।प्रदेश अध्यक्ष भुपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि यह वर्ष पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती वर्ष है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने काशी विश्वनाथ से लेकर सोमनाथ तक अनेकों मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। रानी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 में महाराष्ट्र के चौड़ी गांव में हुआ था। लोकमाता अहिल्याबाई जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान 21 मई से 31 मई तक चलेगा। जिसको लेकर राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर की बैठक हो चुकी हैं। आजमगढ़ जिले की बैठक आज हो रही है। 21 मई से 31 मई 2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होना है। जिसमें जिला गोष्ठी ,महिला सशक्तिकरण के लिए पदयात्रा ,नदी घाटों पर स्वच्छता का कार्यक्रम, ब्लॉक स्तर पर तथा जिला पंचायत स्तर पर कार्यक्रम करना है। जिला केंद्रों पर लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन करना है।भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि दूरदर्शिता साहस, न्यायप्रियता तथा सामाजिक सुधारों ने अहिल्या बाई को लोकमाता बना दिया। उनके अंदर प्रशासनिक कौशल था। जिसके कारण उसके राज्य में सामाजिक, आर्थिक उन्नति होती रही। वह आज भी प्रेरणास्रोत और उनका जीवन हमें न्याय धर्म और सामाजिक सुधारों के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करता है। हम उनसे प्रेरणा लेकर समाज में पहुंचेंगे और नारी सशक्तिकरण तथा राष्ट्र के धार्मिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक उत्कर्ष को जीवन का लक्ष्य बनाकर काम करने वाली महारानी के कार्यों को जन–जन तक पहुंचायेंगे।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आजमगढ़ सदर ध्रुव कुमार सिंह नरेन्द्र सिंह रामाधीन सिंह,, जिला प्रभारी अशोक सिंह,,पूर्व सांसद डा संतोष सिंह,अखिलेश मिश्रा गुड्डू, जयनाथ सिंह, श्रीकृष्ण पाल,देवेंद्र सिंह, प्रेम प्रकाश राय, सतेन्द्र राय, राम,योगेन्द्र यादव, शोभित श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, धर्मवीर चौहान, संतोष चौहान मुन्सी निषाद अभिषेक गुप्ता गोलू, नीरज सिंह,सूरज सोनकर अजय मौर्या, हजारों की संख्या में आम जन मौजूद रहे।

19 वर्षीय युवती की संदीध परिस्थितियों में फांसी लगाई मौत

आजमगढ़। जिले के बूढनपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत थाना अतरौलिया के उपटापार बांसगांव में उन्नीस वर्षीया नव युवती ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर पोस्ट मार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि प्रथम दृष्टया यह मामला सुसाइड का

ही लग रहा है वैसे मौत के कारण का असली पता पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पायेगा। मृतका का नाम खुशबू पुत्री मिठाई लाल है जो हाई स्कूल तक पढ़ाई करके अतरौलिया कस्बे में ब्यूटी पार्लर का कोर्स कर रही थी। मिठाई लाल के तीन पुत्र हैं जो पूना में रहकर नौकरी करतें हैं। तीनों बेटों में से एक की शादी हो चुकी है। पिता मिठाई लाल सब्जी बेचने का काम करतें हैं। आज सुबह इस मनहूस घटना का दृश्य खिड़की से देख पिता के होश उड़ गए। पंखे से लगे दुपट्टे के सहारे इसकी लाडली बिटिया लटकी हुई थी। चीख पुकार सुनकर जुटे पड़ोसियों के सहयोग से पिता ने दरवाजा तोड़ने के साथ ही साथ इसकी सूचना मुकामी पुलिस को दी। सूचना पाकर फोरेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया और छान बीन व पूछ ताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मां का रो रो कर बुरा हाल है। घटना को लेकर गांव सहित आस पास के गांवों में तरह तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है।

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन 110 मामले में तीन का निस्तारण

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री हेमराज मीना की अध्यक्षता में तहसील निजामागाद के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 110 मामले आये। जिसमे से 03 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष 107 मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत करने के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। प्राप्त मामलों में राजस्व विभाग के 78, पुलिस के 16, विकास के 09 एवं अन्य के 07 मामले शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सबसे अधिक राजस्व, पुलिस, विद्युत एवं अन्य समस्याओं की शिकायतों वाले ग्रामों में संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने एवं शिकायतकर्ता की उपस्थिति में उसको संतुष्ट करते हुए गुणवत्तायुक्त निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की पैमाइश के बाद पत्थर गाड़ने पर यदि किसी के द्वारा पत्थर उखाड़ा जाता है तो सरकारी काम में बाधा डालने एवं बाधित करने वाले के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से

मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति दबंग प्रवृत्ति का है, तो उसके विरुद्ध भूमिया एक्ट, गुण्डा एक्ट के तहत कार्यवाही करें तथा यदि वह शस्त्र लाइसेंस धारी है तो उसका लाइसेंस भी निरस्त किया जाये। उन्होंने कहा कि यदि किसी मामले में कोर्ट से स्टे है तो उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी जमीनों पर बड़े अवैध अतिक्रमणों को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शिता से एवं निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए अधिशासी अभियंता विद्युत को खम्बोंध्तारों के आसपास की झाड़ियां की सफाई कराने के निर्देश दिए।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने कहा कि पुलिस विभाग के अधिकारी एवं राजस्व विभाग के अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पैमाइश के बाद पत्थर उखाड़ने पर संबंधित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए पाबंद करें। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण करने वाले की हैसियत देखते हुए कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना, सीएमओ डॉ0 अशोक कुमार, उप जिलाधिकारी निजामाबाद, तहसीलदार निजामाबाद एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इतिहास में भारतीय सेना का शौर्य–पराक्रम और प्रधानमंत्री मोदी की कायरता दोनों दर्ज होंगे– कृपाशंकर पाठक

आजमगढ़। आम आदमी पार्टी ने बिना कोई लक्ष्य हासिल किए पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले पर ह्यूमन बैनर के जरिए तीखा हमला बोला है। बुधवार को ''आप'' ने आजमगढ़ के सैदवारा फ्लाईओवर्स पर ह्यूमन बैनर लगाकर जोरदार विरोध–प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पार्टी का कहना है कि भारतीय सेना पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) वापस कब्जा कर सकती थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में आकर प्रधानमंत्री ने यह सुनहरा मौका गंवा कर भारतवासियों को धोखा दिया है। बता दे 16 मई को देर रात लखनऊ ''आप'' के जिलाध्यक्ष इरम रिजवी,छवि यादव सहित कई नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। ''आप'' जिलाध्यक्ष रविन्द्र यादव ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछ रहा है कि

उन्होंने पाकिस्तान से इतनी आसानी के साथ सीजफायर क्यों कर दिया? पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई को लेकर पूरा देश एकजुट था। साथ ही, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, सपा समेत सभी विपक्षी दल प्रधानमंत्री के साथ खड़े थे। प्रधानमंत्री के पास 56 इंच की छाती दिखाने का यह बड़ा मौका था। लेकिन मोदी जी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दबाव में आकर सीजफायर कर दिया। पाकिस्तान को सबक सिखाने और पीओके वापस लेने का बहुत अच्छा मौका था। लेकिन मोदी जी ने यह मौका खो दिया। अब ऐसा अच्छा मौका शायद मिले। आज पाकिस्तान कह रहा है कि उसने भारत को हरा दिया। सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान के ड्रोन भारत की सीमा में देखे जा रहे हैं। उधर, "आप" नेता अनिल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था और सभी विपक्षी दलों के साथ पूरा भारतीय उनके साथ खड़ा था। हर भारतीय पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों का बदला लेना चाहता था। जब अमेरिका के राष्ट्रपति से यह खबर मिलती है कि भारत–पाकिस्तान के बीच युद्धविराम हो गया है, तो हर भारतीय तो गहरा धक्का लगा। क्योंकि यह खबर हमारे प्रधानमंत्री या भारतीय सेना से मिलनी चाहिए थी। जब यह मामला भारत पाकिस्तान का है तो हमें सीजफायर की जानकारी तीसरे देश के प्रमुख से क्यों पता चलता है? आज हर एक भारतीय बहुत निराश है। भारत के पास पीओके वापस लेने का बहुत अच्छा मौका था। विपक्ष समेत पूरा भारत नरेंद्र मोदी के साथ था। शायद ऐसा मौका फिर न मिले।प्रदेश उपाध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ कृपाशंकर पाठक ने कहा कि जब चंडीगढ़ में स्वयंसेवकों की भर्ती की बात थी, तो ढेरों युवा एक साथ आकर कहने लगे कि हम भारतीय सेना और केंद्र सरकार का समर्थन करेंगे। हम भारत के साथ हैं। लेकिन प्रधानमंत्री ने ट्रंप के दबाव में आकर युद्धविराम कर दिया। आज हर भारतीय इस फैसले से बहुत नाराज है और हम इसका विरोध करेंगे। किसी भी राजनीतिक दल ने नरेंद्र मोदी या केंद्र सरकार के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। सभी दलों ने कहा कि हम एकजुट होकर खड़े हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में युद्धविराम घोषित किया गया। इसमें कोई समझौता भी नहीं हुआ । कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभिषेक राजभर,सोनू यादव,रमेश मौर्य,उमेश यादव,संजय यादव,दीनबंधु गुप्ता,अनिल मौर्य,तनवीर रिजवी,रामरूप यादव, एम पी यादव,बाबूराम यादव आदि साथी उपस्थित रहे।

दुर्गा शक्ति सेवा ट्रस्ट द्वारा मिस्टर एंड मिसेज पूर्वांचल आईकॉन 2025 का आयोजन

आजमगढ़। जनपद के रोडवेज स्थित होटल गोल्डन फार्चून के सभागार में दुर्गा शक्ति सेवा ट्रस्ट की ओर से मिस्टर एंड मिसेज पूर्वांचल आईकॉन 2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन पूजा सिंह द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विपिन यादव और पूनम उमेश सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद मंचीय कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई। इस आयोजन में चंद्र कांति,इंद्र सिया फैशन हब, और आर कर्वी फैशन के ब्रांड डिजाइनर भी विशेष रूप से मौजूद रहे। दुर्गा शक्ति ट्रस्ट के सभी सदस्य भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे थे। इस प्रतियोगिता में कुल 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें प्रतिभागियों की कला, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास की परीक्षा ली गई। कार्यक्रम का फाइनल मुकाबला जून माह में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए एक विशेष स्वास्थ्य सेवा भी जोड़ी गई है। आजमगढ़ में सर्विक्स कैंसर से बचाव हेतु मुफ्त वैक्सीनेशन अभियान चलाया जाएगा, जो सोमवार को यादव क्लिनिक में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में पूजा सिंह, अम्मी पांडे, मयंक मिश्रा, हिमांशी समेत दुर्गा शक्ति सेवा ट्रस्ट के सभी सदस्य सहित कई गणमान्य लोग और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। संरक्षक के तौर पर विजय लक्ष्मी मिश्रा मौजूद रही कार्यक्रम न केवल एक फैशन व प्रतिभा मंच था। बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

◆ संक्षिप्त खबरें

धान के परिवहन बिलों का भुगतान कराया – जायें

ईस्ट इंडिया टाइम्स ब्यूरो चीफ/ आमिर हुसैन /उत्तराखंड /बाजपुर/ उधमसिंह नगर। उत्तराखण्ड राईस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने टनकपुर पी.डब्लू.डी. गेस्ट हाऊस में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंटवार्ता कर राईस मिलर्स की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में धान

खरीद नीति पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों की तर्ज पर बनाये जाने, वर्ष 2022–23 एवं 2023–24 के धान के परिवहन बिलों का भुगतान कराये जाने, गोदामों में समय से चावल उतरवाये जाने एवं राईस मिलर्स को धान के बिलों का भुगतान किये जाने की माँग की गई। सीएम धामी ने राईस मिलर्स की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र एक कमेटी का गठन कर समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। इस मौके पर उत्तराखण्ड राईस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश कंसल,उपाध्यक्ष रमेश गर्ग, कोषाध्यक्ष पंकज बांगा, महामंत्री श्याम अग्रवाल,मंत्री उमेश अग्रवाल आदि थे।

पुलिस ने अबैध शराब की भट्टी तोड़ी 3 हजार ली लहन नष्ट किया

ईस्ट इंडिया टाइम्स ब्यूरो चीफ/ आमिर हुसैन /उत्तराखंड /बाजपुर/ उधमसिंह नगर। वन्नाखेड़ा चौकी इंचार्ज कविंदर शर्मा ने नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने ग्राम गजरौला झाल क्षेत्रांतर्गत जंगल में नाले के बगल में बनाई गई 1 अवैध शराब की भट्टी तोड़ी गई व लगभग 3 हजार लीटर लहन नष्ट किया गया व

अवैध कच्ची शराब बनाने के उपकरण नष्ट किए गए। पुलिस टीम में कांस्टेबल मोहन खाती,विपिन चंद्र,आदि थे।

ग्राम प्रधान की हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपी दबोचा, अन्य की तलाश तेज

रिपोर्ट विरेन्द्र तोमर/बागपत/ बडौत। बिनौली थाना क्षेत्र के सिरसली गांव में बाइक सवार बदमाशों ने वर्तमान ग्राम प्रधान धर्मेंद्र तोमर की गोली मारकर हत्या कर दी थी।गोलीकांड से छेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।गोलीकांड में साथीविनीत भी गोली का शिकार हो गए थे जिनकी हालत गंभीर बनी

हुई है।मृतक के भाई गजेंद्र तोमर ने पुलिस को तहरीर देकर सिरसली निवासी आयुष, अर्जुन, व एक अज्ञात के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर कराई है।पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों नामजद आरोपियों पर 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। एक अन्य आरोपी निर्भय पुत्र जिहान सिंह को मेरठ–बड़ौत मार्ग स्थित कृष्णा नदी के पास से दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है।गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी शिवदत्त, क्राइम इंस्पेक्टर जितेंद्र यादव, राशिद खान, व मुलायम सिंह की टीम शामिल रही। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है क्षेत्रीय लोगों में घटना को लेकर भारी आक्रोश है।

ट्रेन से गिरकर युवक घायल, हालत गंभीर

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट आदिल अमान/कायमगंज/ फर्रुखाबाद। जनपद फर्रुखाबाद के थाना शमसाबाद के गांव कुइयाखेड़ा निवासी धर्मेंद्र (40) ट्रेन से गिरकर गंभीर घायल हो गया आसपास के लोगो ने इसे ई रिक्शा से सीएचसी भर्ती कराया जहाँ उसका इलाज हुआ।

मार्ग दुर्घटना मे 6 घायल, हालत गंभीर

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट आदिल अमान/कायमगंज/ फर्रुखाबाद।अलग अलग मार्ग दुर्घना मे कम्पिल क्षेत्र के गांव जिजौटा बुजुर्ग निवासी विवेक (18) जनपद फर्रुखाबाद के थाना मेरापुर निवासी संदीप (23) थाना शमसाबाद के गांव कुइयाधीर निवासी अभय सिंह (23) क्षेत्र के गांव खजुरिया निवासी राशिद (35) व सुल्तान (25) वखतेरापुर निवासी सुरजीत (29) घायल हो गए आसपास के लोगो व 108 एम्बुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सीएचसी भर्ती कराया गया जहाँ सभी का इलाज हुआ।

मासूम ने धोके से किशोर ने संदिग्ध हालत मे पिया जहर, दोनों की हालत गंभीर

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट आदिल अमान/कायमगंज/फर्रुखाबाद।अलग अलग स्थानों पर क्षेत्र के गांव हरियलपुर निवासी विमलेश कुमार का 2 वर्षीय पुत्र अभयांश ने घर मे खेल रहा था खेलते खेलते उसने घर पर रखा कीटनाशक पदार्थ पी लिया उल्टियां होने पर परिजनों को जानकारी हुई गंभीर हालत मे परिजन सीएचसी लाये जहाँ प्राथमिक इलाज के बाद उसे लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी घटना मे जनपद एटा के थाना राजा का रामपुर के गांव नगला गुलाल निवासी निवासी नहार सिंह के 16 वर्षीय पुत्र विकास ने संदिग्ध हालत मे कीटनाशक पदार्थ पी लिया गंभीर हालत मे परिजन उसे भी सीएचसी लाये जहाँ प्राथमिक इलाज के बाद उसे भी लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

समाधान दिवस में कुल 96 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट आदिल अमान/कायमगंज/फर्रुखाबाद।तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी रवींद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 96 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। समाधान दिवस में राशन वितरण में अनियमितता, सरकारी चकरोड पर अवैध कब्जे, संपत्ति विवाद और आपत्तिजनक वीडियो से धमकी जैसी गंभीर समस्याओं को लेकर फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई। फरियादियों में शमशाबाद के नटवारा गांव निवासी सर्वेश एवं प्रदीप ने समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई कि गांव की कोटेदार अनीता और प्रधान की मिलीभगत से राशन कोटा संचालित किया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि मृतकों के नाम पर भी राशन कार्ड बनाए गए हैं, जिनके जरिए पात्र गृहस्थी का राशन निकालकर बाजार में कालाबाजारी की जाती है। सप्लाई इंस्पेक्टर भी इनके रिश्तेदार हैं, जिससे अनियमितताओं को बढ़ावा मिलता है। शिकायतकर्ताओं के पास ग्राम सचिव और सीडीओ की फर्जी मोहरों के भी प्रमाण हैं। आरोप है कि कोटेदार और प्रधान द्वारा शिकायत करने पर उन्हें धमकी दी जाती है।कायमगंज क्षेत्र की एक महिला ने समाधान दिवस में शिकायत करते हुए कहा कि एक व्यक्ति उसे एक मोबाइल नंबर से आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। महिला ने अधिकारियों से इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की। नगर के मोहल्ला काजम खघं निवासी साहब शहनाजबेम ने शिकायत में कहा कि उनके पति की मृत्यु के बाद संपत्ति उनके नाम पर चढ़ गई, लेकिन कुछ लोग उस पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। उन्होंने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। गांव अरियारा निवासी सुखराम सिंह ने समाधान दिवस में बताया कि गांव के कुछ लोगों ने सरकारी चकरोड पर झोपड़ी, घूरा डालकर मवेशी बांध रखे हैं, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया है। उन्होंने कब्जा मुक्त कराने की मांग की। गांव सैथरा निवासी वंदना ने बताया कि उसने गांव की आंगनवाड़ी के आय प्रमाण पत्र की जांच के लिए शिकायत की थी, लेकिन लेखपाल ने गलत आख्या लगाई। आख्या में दर्शाया गया कि वह भूमिहीन है, जबकि उसके पास ग्राम सैथरा और पपड़ी खुर्द में भूमि है। वह किसान सम्मान निधि भी प्राप्त करती हैं और उनके पति उत्तर प्रदेश परिवहन में परिचालक हैं।संपूर्ण समाधान दिवस में सीओ संजय कुमार सिंह, नायब तहसीलदार मनीष वर्मा, अस्पताल अधीक्षक शोभित शाक्य, इंस्पेक्टर कानून व्यवस्था राजेश कुमार समेत संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम व एसपी ने ,तहसील समाधान दिवस में सुनी समस्याएं

रिपोर्ट विरेन्द्र तोमर /बागपत । जनपद की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जिलाधिकारी अस्मिता लाल व पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बागपत तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस में आमजनता की शिकायतें सुनी और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए, समाधान दिवस में 58 शिकायतें दर्ज की गई मौके पर 10 शिकायतों का निस्तारण किया गया। बड़ौत तहसील में समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी पंकज

वर्मा ने जनता की शिकायतें सुनी 35शिकायतें दर्ज हुई मौके पर 6 का निस्तारण किया गया बाकी का संबंधित अधिकारियों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। खेकड़ा तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव ने शिकायत सुनी 10शिकायतें आईं मौके पर 2 शिकायतों का निस्तारण किया गया।शासन की नीति है समाधान दिवस दिवस में शिकायत का कोई भी प्रार्थना पत्र आए उसका 7 दिन के अंदर निस्तारण कर दिया जाए कोई प्रकरण संवेदनशील है तो उसकी समय अवधि 7 दिन और बढ़ाई जा सकती है।

कन्या सुमंगला योजना का आवेदनों का निस्तारण समय से पहले करें पूर्ण

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट सौरभ अग्रवाल/फिरोजाबाद । बालिकाओं के कल्याण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई कन्या सुमंगला योजना के तहत किए जाने वाले लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किए जाने के जिलाधिकारी रमेश रंजन ने जनपद के सभी उपजिलाधिकारियों एवं खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है।महत्वपूर्ण योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचें। इसके लिए जिलाधिकारी लगातार उपजिलाधिकारियों एवं खण्ड विकास अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक कर रहें है। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारियों को सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है अपने यहां कन्या सुमंगला से सम्बन्धित लम्बित आवेदनों का निस्तारण शीघ्र कराएं, अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जाएगी।टूंडला में सर्वाधिक आवेदन लम्बित है। जबकि, खण्ड विकास अधिकारी के स्तर पर शिकोहाबाद, एका और अरांव में सर्वाधिक आवेदन लम्बित है। जिलाधिकारी ने कठोर शब्दों में चेतावनी दी है, कि जो भी आवेदन उपजिलाधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी के स्तर पर लम्बित है, उनका निस्तारण शीघ्र कराएं, जिससे इस योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा पात्र बालिकाओं तक पहुंच सकें ,उनके शिक्षा व स्वास्थ्य में मदद पहुंच सकें।प्रथम श्रेणी बालिका के जन्म पर 5000 एकमुश्त दिया जाता है, द्वितीय श्रेणी में बालिका के एक वर्ष तक के पूर्ण टीकाकरण के उपरांत 2000 रुपए मुश्त दिया जाता है, जबकि तृतीय श्रेणी में कक्षा प्रथम में बालिका के प्रवेश के उपरांत 3000 रुपए, कक्षा छः में बालिका के प्रवेश के दौरान 3000 रुपए, जबकि, पंचम श्रेणी में कक्षा 9 में बालिका के प्रवेश के दौरान 5000 रुपए अंतिम श्रेणी में ऐसी बालिकाऐं जिन्होने कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण करके स्नातक अथवा 2 वर्षीय या अधिक अवधि के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लिया है, में 7000 रुपए तक दिया जाता है।

ऑपरेशन सिन्दूर देश की बहन बेटियों के सम्मान तथा सुरक्षा का संकल्प है– भूपेंद्र सिंह चौधरी

आजमगढ़ वासियों और सामाजिक संगठनों द्वारा भारतीय सेना की शौर्यता के सम्मान में, शहीद कुंवर सिंह उद्यान से, गांधी तिराहा, रैदोपुर त्रिमूर्ति तिराहा, कलेक्ट्रेट चौराहा, पं दीनदयाल उपाध्याय चौराहा, अग्रसेन चौराहा, होते हुए मेहता पार्क तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन सम्पन्न हुआ।तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि हमारी सेना ने आपरेशन सिन्दूर के माध्यम से पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हमारे 26 नागरिकों की निर्मम हत्या कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने संकल्प लिया कि हमारी सेना पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही करेगी जो नजीर बनेगी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी सेना ने 6 मई की रात पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के खिलाफ जिस प्रकार की कार्रवाई की है उससे एक–एक भारतीय का सीना चौड़ा हुआ है। इस तरह की कार्यवाही दुनिया के कुछ चुनिन्दा देश ही कर पाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी सेना ने जो कार्यवाही की है उसका लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है। हमारी सेना ने पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के खिलाफ जो कार्यवाही की है उसके लिए हम सब अपनी सेना के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने बडी सैन्य कार्रवाई के बाद स्पष्ट संदेश दिया कि अब पाकिस्तान से सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। प्रधानमंत्री

के संदेश में 140 करोड़ भारतीयों की प्रतिबद्धता निहित है। आज मोदी के नेतृत्व में देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। जिसमें प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर है। ऑपरेशन सिन्दूर देश की बहन, बेटियों के सम्मान तथा सुरक्षा का संकल्प है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आजमगढ़ सदर ध्रुव कुमार सिंह नरेन्द्र सिंह रामाधीन सिंह,, जिला प्रभारी अशोक सिंह,,पूर्व सांसद डॉ० संतोष कुमार सिंह, हवलदार सिंह , ओमकार पाण्डेय, अखिलेश मिश्रा गुड्डू, जयनाथ सिंह, कृष्ण पाल,देवेंद्र सिंह, प्रेम प्रकाश राय, सतेन्द्र राय, राम दर्शन यादव,अरविंद जायसवाल, ऋत्विक जायसवाल ,कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा , घनश्याम पटेल, हरेंद्र सिंह,वन्दना सिंह, मंजू सरोज, हरिवंश मिश्रा, ऋषिकांत राय, सचिदानंद सिंह,विभा बर्नवाल, निखिल राय, अमित मेहता,सौदागर भारती बबिता जसरासरिया , हरिकेश मिश्रा अवनीश मिश्रा,आनन्द सिंह, सुजीत सिंह, सोनू सिंह,उषा आर्या, बहादुर चौबे, मनीष मिश्रा पिन्टू, रामपाल सिंह, विनय गुप्ता, मृगांक शेखर सिन्हा, विवेक निषाद, अवनीश चतुर्वेदी, धर्मेंद्र सिंह, योगेन्द्र यादव, शोभित श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, धर्मवीर चौहान, संतोष चौहान मुन्सी निषाद अभिषेक गुप्ता गोलू, नीरज सिंह,सूरज सोनकर अजय मौर्या, हजारों की संख्या में आम जन मौजूद रहे।

पूर्व दर्जा राज्य मंत्री कदीर अहमद पूर्व सह,समिति के अध्यक्ष अहमद उल्लाह हज के लिए रवाना

ईस्ट इंडिया टाइम्स ब्यूरो चीफ/ आमिर हुसैन /उत्तराखंड /बाजपुर /उधमसिंह नगर। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कदीर अहमद व उनकी पत्नी नाजिस बेगम हज के मुबारक सफर पर रवाना हुए स हज पर जाने से पूर्व उनको मुबारकबाद देने उनके निबास स्थान ग्राम रम्पुरा शाकर में बड़ी तादाद में अकीदतमन्द पहुंचे स वहीं प्रथम किसान सहकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष अहमद उल्लाह हज के लिएं रवाना हुए। इस अवसर पर हाजी अय्यूब अली,शमशीर अहमद,मरगूब आलम, साबिर हुसैन,फिरोज आलम, गुलवेज आलम,जावेद आलम, सज्जन प्रधान, हाजी रईस अहमद, अफसर अली प्रधान, निवर्तमान सभासद सादिक हुसैन,अहसान अली, निसार अहमद,शकील प्रधान, मौलाना इरशाद नूरी,इरफान अली शामिल थे ।

हरियलपुर में आग का तांडव, लाखों की तंबाकू, बाइक, बकरियां और घरेलू सामान जलकर खाक, मचा कोहराम

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट आदिल अमान/कायमगंज/फर्रुखाबाद।क्षेत्र के तराई स्थित गांव हरियलपुर में शनिवार को एक मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। तेज हवा के झोंकों के साथ आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे लाखों की तंबाकू, दो बकरियां, एक बाइक और घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। जानकारी के मुताबिक हरियलपुर

निवासी ब्रजकिशोर के घर में अचानक छप्पर में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही पलों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। हवा के तेज झोंकों ने आग को और भड़का दिया। ग्रामीणों ने पास के तालाब से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के आगे उनके प्रयास नाकाफी साबित हुए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक ब्रजकिशोर के घर का सारा सामान जलकर राख हो चुका था।

आग में लगभग 5 लाख रुपये की तंबाकू, 10 कुंतल आलू, 2 कुंतल लहसुन, दो बकरियां, एक बाइक और चारा मशीन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल खुशबू शिवहरे मौके पर पहुंचीं और नुकसान का आकलन किया। आग के बाद से परिवार सदमे में है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार की मदद की मांग की है।

हरियलपुर में आग का तांडव, लाखों की तंबाकू, बाइक, बकरियां और घरेलू सामान जलकर खाक, मचा कोहराम

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट आदिल अमान/कायमगंज/फर्रुखाबाद।क्षेत्र के तराई स्थित गांव हरियलपुर में शनिवार को एक मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। तेज हवा के झोंकों के साथ आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे लाखों की तंबाकू, दो बकरियां, एक बाइक और घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। जानकारी के मुताबिक हरियलपुर निवासी ब्रजकिशोर के घर में अचानक छप्पर में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही पलों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। हवा के तेज झोंकों ने आग को और भड़का दिया। ग्रामीणों ने पास के तालाब से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के आगे उनके प्रयास नाकाफी साबित हुए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक ब्रजकिशोर के घर का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। आग में लगभग 5 लाख रुपये की तंबाकू, 10 कुंतल आलू, 2 कुंतल लहसुन, दो बकरियां, एक बाइक और चारा मशीन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल खुशबू शिवहरे मौके पर पहुंचीं और नुकसान का आकलन किया। आग के बाद से परिवार सदमे में है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार की मदद की मांग की है।

फर्रूखाबाद में डीआईजी का दौरा अधिकारियों के साथ की बैठक

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट सौरभ दीक्षित/फर्रुखाबाद । जनपद मे डीआईजी ने किया दौरा पुलिस लाइन में पहुंच

कर अधिकारियो से जायजा फीडबैक लिया।डी आई जी हरीश चद्र ने बताया पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई को प्राथमिकता से लेते हुए अपराधियों पर जनपद मे लगाम लगई जा रही है, डी आई जी ने कहा साइबर अपराध हम लोगो के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है इसमें लोगो को खुद सतर्क रहने की आवशयकता है किसी भी अधिकारी या बैंक कर्मचारियों द्वारा फोन आता है आपके नम्बर का ओटीपी मांगा जाए उसको साझा न करें साईबर अपराधियों द्वारा ठगी हो जाती है तो तत्काल इसकी शिकायत पुलिस को करें।

सम्पादकीय

ऑपरेशन सिंदुर स्थगित हुआ है, खत्म नहीं

पाकिस्तान के साथ सीजफायर के दो दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में इस्लामाबाद को कड़ा संदेश दिया।प्रधानमंत्री ने अपने 22 मिनट के संबोधन में सीजफायर, आतंकवाद, पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके), ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम में जघन्य हमला और सिंधु जल समझौते पर बात की। उन्होंने कड़े तेवर के साथ कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं चल सकते। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता जाहिर उनका यह संदेश सिर्फ पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि विश्व समुदाय के लिए भी था।प्रधानमंत्री के संबोधन से एक बात साफ हो गई कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और आतंकवाद के बारे में पुरानी नीति का परित्याग कर दिया है जहां कूटनीति और आतंक का सहअस्तित्व था। उन्होंने विश्व समुदाय को भारत की नई नीति और सिद्धांत के बारे में स्पष्ट तौर पर बता दिया कि अगर आप पाकिस्तान के साथ बात होगी तो आतंकवाद पर और पाक अधिकृत कश्मीर पर ही बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। यानी परमाणु हमले की धमकी को अलग–थलग करके आतंकी अड्डों को नष्ट करेगा। यह याद रखा जाना चाहिए कि अगर पाकिस्तान भारत पर परमाणु हमला करता है तो भारत को सिर्फ खरोंचे ही आएगी, लेकिन विश्व मानचित्र से पाकिस्तान का नाम ही मिट जाएगा। विश्व समुदाय जानता है कि भारत एक जिम्मेदार और सभ्य राष्ट्र है जो पहले परमाणु शस्त्र का इस्तेमाल कभी नहीं करेगा।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बात को दोहराया कि यह युद्ध का समय नहीं है, लेकिन इसी के साथ उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह आतंकवाद का भी समय नहीं है। वास्तव में भारत पिछले दशकों से आतंक की पीड़ा झेल रहा है। ऐसा पहली बार हुआ कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान में इस्लामाबाद से कराची तक 13 जगहों को अपना निशाना बनाया। न केवल निशाना बनाया बल्कि पाकिस्तान के कई लड़ाकू विमानों को नेतस्नाबूद भी कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बुद्ध ने शांति का रास्ता दिखाया है, लेकिन शक्ति से ही शांति का रास्ता निकलता है। इसका अर्थ साफ है कि भारत अब भई बिनु होई न प्रीति..की नीति को आगे बढ़ाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा भी है कि ऑपरेशन सिंदुर स्थगित हुआ है, खत्म नहीं।

किसान कार्यकर्ता, जिसने उम्मीद के बीज बोए

मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के एक किसान ने बरसों से परती पड़ी जमीन को न केवल उपजाऊ बना लिया है बल्कि उसमें पेड़ लगाकर उसे हरा–भरा भी कर लिया

बाबा मायाराम

महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर–तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है।मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के एक किसान ने बरसों से परती पड़ी जमीन को न केवल उपजाऊ बना लिया है बल्कि उसमें पेड़ लगाकर उसे हरा–भरा भी कर लिया है। तालाब बनाकर बारिश की बूंद–बूंद को सहेजा है। लेकिन यह किसान सिर्फ खुद ही पौष्टिक अनाज की खेती नहीं करते, बल्कि एक संस्था से जुड़कर आदिवासियों को भी जैविक खेती के तौर–तरीके सिखा रहे हैं। यह कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह पूरी तरह जैविक है, श्रम आधारित है, और कम लागत वाली है, जो इस समय की जरूरत है। आज इस कॉलम में एक किसान कार्यकर्ता की लगन, जिद और मेहनत की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे बिना रासायनिक खेती की बारीकियां समझी जा सकें।

अनूपपुर से मात्र 10 किलोमीटर दूर है जमूड़ी गांव, और यहीं है महेश शर्मा के परिवार की जमीन। कुछ समय पहले इस खेती को देखने के लिए मैं जमूड़ी गया। लम्बे अरसे से जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर महेश शर्मा काम कर रहे हैं। पहले वे छत्तीसगढ़ में खेती का काम कर रहे थे, जहां बिलासपुर जिले में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का कार्यक्षेत्र है। जब संस्था के कार्यक्षेत्र का विस्तार मध्यप्रदेश में भी हुआ, तब यहां भी खेती कार्यक्रम शुरू हो गया। वैसे तो यह संस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करती है, पर संस्था का मानना है कि सिर्फ बीमारी का इलाज ही नहीं, उसकी रोकथाम भी जरूरी है। इसके लिए जैविक तरीके से पौष्टिक अनाजों व सब्जी बाड़ी की खेती पर जोर

दिया जा रहा है, जिससे लोगों को पोषणयुक्त भोजन मिले और उनका स्वास्थ्य बेहतर हो। इसी के मद्देनजर अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ प्रखंड में आदिवासियों के बीच पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है।जैविक खेती करने वाले महेश शर्मा ने बताया कि उनके परिवार की जमूड़ी गांव में 5 एकड़ जमीन है। इस जमीन पर उन्होंने 5 साल पहले खेती शुरू करना शुरु किया। इसके पहले यह जमीन बंजर पड़ी थी। लेकिन बहुत ही कम समय में उन्होंने इस जमीन को उपजाऊ बना लिया है। और वह भी पूरी तरह जैविक तौर–तरीके अपनाकर। सबसे पहले मल्चिंग की, यानी हरी खाद से भूमि का ढकाव, जिससे जमीन उपजाऊ हुई, हवादार, पोली और भुरभुरी हुई। और फिर इसमें कई तरह के फलदार पेड़ भी रोपे।वे आगे बतलाते हैं कि खेत में हरी सब्जियां व मसाले भी उगाते हैं। मड़िया, अरहर, तिल्ली, मूंगफली, अमाड़ी और धान इत्यादि भी लगाते हैं। उनके खेत में सब्जियों में लौकी, करेला, सेमी, बरबटी, भिंडी, बैंगन इत्यादि की खेती अच्छी होती है। उन्होंने अब घर के लिए सब्जियां व मसाले खरीदना बंद कर दिया है। राजगिरा, मिर्च, मैथी, धनिया, प्याज, आलू, टमाटर इत्यादि की फसलें होती हैं। और इन सबसे उनकी घर के खाने की जरूरतें पूरी हो जाती हैं। अतिरिक्त होने पर बेचते भी हैं। हल्दी और मडिया की बिक्री किसान मेलों में हो जाती है। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था मडिया के बिस्कुट भी बनाती है।उन्होंने बताया कि खेतों की मेड़ों में बड़ी संख्या में फलदार पेड़ भी लगाए हैं। अगर पेड़ होते हैं तो पक्षी आते हैं, और ये पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं। यहां अमरूद के 45 पेड़, नींबू के 4, आम के 11, सीताफल के 8, केले के 40, अनार के 5, महुआ के 15, पपीता के 12, और करौंदे के 20 पेड़ लगाए हैं। सेमरा के 100 से ज्यादा पेड़ लगाकर खेत की बागुड़ कर दी है।वे आगे बताते हैं कि महुआ फूल की बिक्री से ही उन्हें इस वर्ष 20 हजार रूपए मिले, जिससे उन्होंने देसी गोबर खाद खरीदा, और पूरी जुताई व बुआई करवाई। इस सबमें लगभग 15 हजार की राशि खर्च हुई। धान की खेती बिना रासायनिक खाद व बिना कीटनाशक के की है। यानी महुआ फूल बेचकर जो राशि मिली, उसी में पूरी खेती की लागत निकल गई। उनके पास दो कुआं हैं, दोनों ही सूख चुके थे, लेकिन जब तालाब बनाया तो दोनों ही कुएं फिर से पानीदार हो गए। अनूपपुर जिले की सीमा से छत्तीसगढ़ राज्य लगा हुआ है, जहां की तालाब संस्कृति प्रसिद्ध है। वहां एक गांव में कई तालाब होते हैं। महेश शर्मा इस संस्कृति से भलीभांति परिचित हैं, और इसलिए उन्होंने खेत का पानी खेत में रोकने का जतन किया। तालाब बनाकर बारिश की बूंद–बूंद को सहेजा है। वे बतलाते हैं कि जो पेड़ लगाए थे, वे अब फल देने लगे हैं। करौंदा में पहली बार फल आ गए हैं। अमरूद और पपीता फलने लगे हैं। खेत में बाजरा के भुट्टे लहरा रहे हैं। कुदरती तौर पर होनेवाली गूजा की हरी पत्तीदार साग हुई है।महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर–तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है, जहां कई तरह के देसी अनाजों के बीजों का संग्रह है। विशेषकर, देसी धान की कई किस्में उनके बीज बैंक में हैं। इसके अलावा, जैविक खेती के तौर–तरीकों का प्रशिक्षण भी देते हैं। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के डॉ. पंकज तिवारी बतलाते हैं कि पुष्पराजगढ़ प्रखंड काफी पिछड़ा है और आदिवासी बहुल है। इस क्षेत्र के लोग ज्यादातर मजदूरी और खेती करके जीवनयापन करते हैं। यहां बच्चों में कुपोषण देखा जाता है। इसे दूर करने के लिए संस्था की ओर से 3 साल तक के छोटे बच्चों के लिए झूलाघर की तरह फुलवारी संचालित की जाती हैं। इन फुलवारियों में हरी सब्जियां उगाई जाती हैं, जो बच्चों को दिए जाने वाले भोजन में शामिल की जाती हैं। इसके अलावा, किसानों को पौष्टिक अनाज की खेती करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस साल 85 किसानों ने जैविक खेती की है। इसके अलावा, इन्हीं किसानों के साथ मशरूम की खेती भी की जा रही है।

वे आगे बताते हैं कि सब्जी बाड़ी में लौकी, भिंडी, कद्दू, करेला, भटा और मिर्ची उगाई जाती है। अक्टूबर से फरवरी तक सब्जी बाड़ी से हरी सब्जियां मिलती हैं। सब्जी बाड़ी में अलग से पानी देने की जरूरत भी नहीं है। फुलवारी में बच्चों को जो हाथ धुलाने के लिए जो पानी इस्तेमाल होता है, उसी से सब्जी बाड़ी को पानी मिल जाता है।महेश शर्मा ने बताया कि महिला किसानों ने भी मडिया की खेती की है। उपरीकला की फुलवारी कार्यकर्ता लीलाबाई, प्यारी गांव की फुलवारी कार्यकर्ता कौशल्याबाई जैसी कई किसानों ने मडिया की खेती की है। कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है महेश शर्मा व जन स्वास्थ्य सहयोग की पहल से देसी बीजों के साथ पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है। इस खेती में खर्च न के बराबर है। न रासायनिक खाद की जरूरत और न ही कीटनाशक की। यह खेती पूरी तरह जैविक है। वृक्ष खेती यानी पेडों से जैव खाद मिलती है, पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं।

खेत का पानी खेत में रोककर तालाब में बारिश की बूंद–बूंद को सहेजा जा रहा है। इसमें भूजल उलीचने के लिए किसी भी प्रकार की बिजली, डीजल की जरूरत नहीं है। इसके अलावा, आदिवासी किसानों को भी खेती के तौर–तरीके सिखाएं जा रहे हैं। विशेषकर, महिला किसानों को इससे जोड़ा जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। लुप्त हो रहे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन भी हो रहा है। मडिया व मशरूम की खेती की जा रही है। इससे लोगों की सेहत में सुधार हो रहा है और कुछ आमदनी भी बढ़ रही है। जलवायु बदलाव के इस दौर में पेड़ों के साथ पौष्टिक अनाज व बिना मशीनीकरण के खेती का महत्व और भी बढ़ जाता है, जिससे जैव विविधता व पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। कुल मिलाकर, यह पूरी पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

बांग्लादेश में अवामी लीग पर प्रतिबंध के व्यापक परिणाम होंगे

पिछले सप्ताह डा. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने से देश में सक्रिय राजनीतिक दलों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं

सात्यकी चक्रवर्ती

इस दृष्टिकोण के अनुसार, न्याय की मांग है कि दोषियों को दंडित करें– उन सभी को नहीं जो सीधे तौर पर उनसे जुड़े नहीं हैं। सामूहिक दंड, भले ही धार्मिक कारणों से प्रेरित हो, संक्रमणकालीन न्याय की वैधता को कमजोर करता है। इतिहास से पता चलता है कि पार्टियों को भंग करने से राष्ट्रों में कभी सुधार नहीं होता। यह अक्सर दरारों को और गहरा करता है। पिछले सप्ताह डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने से देश में सक्रिय राजनीतिक दलों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं। इसी तरह, यह निर्णय भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब उसके पड़ोसी देश में कोई भी मित्र राजनीतिक दल सक्रिय नहीं है। यूनुस सरकार की इस कार्रवाई के व्यापक प्रभाव पर भारतीय मीडिया का अभी ध्यान नहीं गया है, क्योंकि पिछले सप्ताह भारत –पाकिस्तान संघर्ष में इसकी पूरी तरह से संलिप्तता रही है, लेकिन दक्षिण एशियाई मामलों के भारतीय विशेषज्ञ इस बात पर गौर कर रहे हैं कि इस क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली राष्ट्र होने के बावजूद नरेंद्र मोदी सरकार अब दक्षिण एशियाई देशों में पूरी तरह से अलग–थलग पड़ गयी है। अवामी लीग (एएल)शेख मुजीबुर रहमान द्वारा स्थापित राजनीतिक पार्टी है और इस पार्टी ने 1971 में बांग्लादेश के गठन के लिए मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था। एएल ने 2024 तक बांग्लादेश पर अधिकांश वर्षों तक शासन किया, सिवा सेना शासन के वर्षों और खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपीके दो कार्यकालों को छोड़कर। वर्तमान में मुख्य विपक्षी दल बीएनपी है जिसकी अध्यक्ष हैं खालिद जिया। शेख हसीना ने 2009 से लगातार पंद्रह वर्षों तक शासन किया, लेकिन 5 अगस्त, 2024 को उन्हें अवामी लीग सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में अपना पद छोड़ना पड़ा और वे भारत चली आयीं। वे अभी भी भारत में रह रही हैं और कभी–कभी वीडियो के माध्यम से बांग्लादेश में अपने एएल समर्थकों को संबोधित करती हैं। पिछले सप्ताह ढाका में छात्रों की नयी पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने 72 घंटे की विशाल रैली निकाली, जिसमें सरकार से अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की गयी। एनसीपी एकमात्र पार्टी है, जिसने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने को अपना मुख्य कार्यक्रम बनाया है। पहले चर्चा थी कि अवामी लीग को सीमित रूप में काम करने दिया जायेगा,जिसमें उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल नहीं किया जायेगा, जिन पर हत्या और यातना देने के आरोप हैं। बीएनपी पहले कुछ दिशा– निर्देशों के तहत एएल को चुनाव में भाग लेने देने के पक्ष में थी, लेकिन अब सरकार के आधिकारिक प्रतिबंध के बाद बीएनपी ने भी प्रतिबंध को राष्ट्रीय मांग बताते हुए उसे अपने समर्थन की घोषणा की है। परिणामस्वरूप, आने वाले चुनावों में मुकाबला दो मुख्य पार्टियों – बीएनपी, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया कर रही हैं और एनसीपी जिसका नेतृत्व छात्रों द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में आरक्षण विरोधी आंदोलन के जरिये शेख हसीना सरकार को गिराने में अहम भूमिका निभायी थी– के बीच होगा। अन्य पार्टियां, जो बहुत छोटी हैं,वे किसी न किसी समूह के साथ गठबंधन करने की कोशिश करेंगी। हाल के महीनों में जमात–ए–इस्लामी ने विदेशों

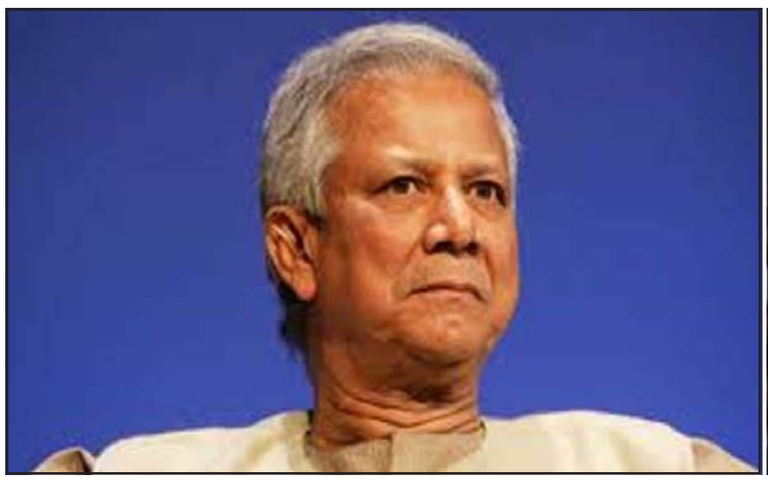

में इस्लामी देशों से बड़ी वित्तीय सहायता के कारण ताकत हासिल की है, लेकिन नागरिकों के बीच इस पार्टी की स्वीकार्यता बहुत कम है। मुख्य चुनावी लड़ाई बीएनपी और एनसीपी तक ही सीमित रहेगी। अवामी लीग का भविष्य क्या है? अवामी लीग के पास देश में अभी भी समर्पित कार्यकर्ताओं का एक समूह है, हालांकि उनमें से कई खुले तौर पर काम नहीं कर सकते। अवामी लीग निश्चित रूप से प्रतिबंध को अदालत में चुनौती देगी। लेकिन सरकार ने आदेश में कुछ विशेष प्रावधान जोड़े हैं, जिससे अगर अवामी लीग कानूनी लड़ाई लड़ना चाहती है तो उसके लिए मुश्किल हो जायेगी। अवामी लीग की नेता शेख हसीना हाल के हफ्तों में सक्रिय नहीं रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले से ही पाकिस्तान के साथ संघर्ष से निपटने में अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। इसलिए भारतीय विदेश मंत्रालय शेख हसीना को अभी भारतीय धरती से कोई सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहेगा। बांग्लादेश के राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच सरकार द्वारा अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने और क्या इससे अवामी लीग एक राजनीतिक पार्टी के रूप में खत्म हो जाएगी, इस बारे में अलग –अलग राय हैं। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक डेली स्टार के अनुसार, अवामी लीग केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं है – यह एक बहु–पीढ़ी संस्था है। देश भर में लाखों लोगों ने अतीत में इसका समर्थन किया है, उनमें से कई ऐसे परिवारों में जन्मे हैं जो दशकों से पार्टी का हिस्सा रहे हैं। नयी वास्तविकता में इन लोगों का क्या होगा? वे कैसे प्रतिक्रिया देंगे, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। इसके अलावा, प्रतिबंध एएल को ठीक वही देता है जिसकी उसे अपनी छवि को फिर से बनाने के लिए ज़रूरत है – उत्पीड़क से उत्पीड़ित तक। डेली में व्यक्त राय के अंश में कहा गया है कि वही पार्टी जिसने असहमति को दबाने के लिए राज्य की शक्ति का इस्तेमाल किया, अब पीड़ित होने का दावा करती है। यह भी बताया गया है कि बांग्लादेश नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय वचन (आईसीसीपीआर) का हस्ताक्षरकर्ता है, जो स्पष्ट रूप से कहता है कि राजनीतिक अधिकारों पर प्रतिबंधों को वैधता, आवश्यकता और आनुपातिकता के परीक्षणों को पूरा करना चाहिए। एक व्यापक पार्टी प्रतिबंध – राजनीतिक प्रतिबंध का सबसे चरम रूप – केवल तभी उचित ठहराया जा सकता है जब अन्य सभी छोटे प्रतिबंधात्मक साधन स्पष्ट रूप से विफल हो गये हों। राज्य के पास अभी भी शक्तिशाली उपकरण हैंरू वह विश्वसनीय रूप से अपराध के आरोपी एएल नेताओं पर मुकदमा चला सकता है, गवाहों और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान कर सकता है, हिंसक गुटों को भंग कर सकता है और यहां तक कि लक्षित दंड भी लगा सकता है। ये तंत्र न्याय को मजबूत करते हैं।इस दृष्टिकोण के अनुसार, न्याय की मांग है कि दोषियों को दंडित करें– उन सभी को नहीं जो सीधे तौर पर उनसे जुड़े नहीं हैं।

सामूहिक दंड, भले ही धार्मिक कारणों से प्रेरित हो, संक्रमणकालीन न्याय की वैधता को कमजोर करता है। इतिहास से पता चलता है कि पार्टियों को भंग करने से राष्ट्रों में कभी सुधार नहीं होता। यह अक्सर दरारों को और गहरा करता है, शिकायतों को बढ़ाता है, और उन लोगों को शहीद बनाता है जो कभी आरोपी थे। लेकिन ये तर्क शिक्षित हलकों तक ही सीमित हैं। फिलहाल, एनसीपी और जमात द्वारा अवामी लीग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए एक राजनीतिक माहौल बनाया गया है। इस बात की बहुत कम संभावना है कि चुनाव से पहले इस स्थिति में कोई बदलाव आयेगा। इसे केवल अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप से ही संभव बनाया जा सकता है। केवल अमेरिका ही आने वाले चुनावों में अवामी लीग के लिए कुछ जगह बनाने में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। लेकिन अभी तक इस बात का कोई संकेत नहीं हैं कि अमेरिका ऐसा करेगा।

◆ संक्षिप्त खबरें

सीएचसी में नसबंदी शिविर का आयोजन, 60 लोगों की हुई नसबंदी

रिपोर्ट सुदेश वर्मा/बागपत/ बडौत। बिनौली सामुदायिक स्वास्थ्य केद्र में परिवार नियोजन अभियान के तहत एक दिवसीय नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 60 लोगों की नसबंदी की गई।नसबंदी कराने वालों में 58 महिलाएं और 2 पुरुष हैं।चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित गुप्ता के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में जिला अस्पताल से आई डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन कछ में नसबंदी के

ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न कराए। विकासखंडकार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार ने बताया प्रत्येक आशा कार्यकर्ता और एनम को तीन महिलाओं और एक पुरुष की नसबंदी का लक्ष्य दिया था।टीम में डॉ. पारूल चौधरी, डॉ. अमित कुमार (एनेस्थीसिया विशेषज्ञ), सतीश कुमार (ओटी टेक्नीशियन), स्टाफ नर्स संगीता, सोनिया पल, रेखा (वार्ड आया), और डॉ. तेजस्वी पुडीर शामिल रहे।ऑपरेशन के दौरान चीफ फार्मासिस्ट संजीव तोमर, प्रमोद कुमार, फार्मासिस्ट सचिन कुमार, लैब टेक्नीशियन सहदेव कुमार, वीसीपीएम प्रमोद कुमार तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक का एक पैर क्षतिग्रस्त गंभीर घायल

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट सौरभ दीक्षित/ फर्रुखाबाद।शमशाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से युवक की हालत गंभीर हो गई,घटना की जानकारी जीआरपी पुलिस को मिली मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज लेकर पहुंचे वहां पर तैनात चिकित्सक ने हालत को गंभीर देख कर फर्रुखाबाद डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के लिए रेफर कर दिया।

मुनेश पुत्र रतिराम निवासी देवपुरा मैनपुरी शमशाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसका एक पैर क्षतिग्रस्त हो गया।घायल युवक को जीआरपी पुलिस ने डॉ राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया,जानकारी के अनुसार, मुनेश के घायल होने की जानकारी परिजनों को अभी तक नहीं हुई है,ट्रेन की चपेट में आने से मुनेश का एक पैर क्षतिग्रस्त हो गया हैजीआरपी द्वारा भर्ती कराया गया मरीज अस्पताल में तड़प रहा है जिसकी हालत देखने वाला कोई नहीं है यूं कहें युवक की देख रेख करने वाला कोई नहीं है वह दर्द से तड़प रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट सौरभ दीक्षित/ फर्रुखाबाद।आशु पुत्र बांकेलाल हरसेरन थाना इंदरगढ़ जनपद कन्नौज निवासी की अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल हो गया परिजनों ने डॉ राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया परिजनों ने बताया आशू की बाइक से किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी जिससे वह घायल हो गया।

डीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजित

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट एसपी कुशवाहा/देवरिया / बरहज। तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर की मौजूदगी में संपन्न हुआ। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना उनके निस्तारण के लिए प्रभावी कदम उठाए गए।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को जन शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निपटाने का निर्देश दिया। मौके पर शिकायतों की समीक्षा की संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।श्रीमती मित्तल ने राजस्व विभाग के अधिकारियों , लेखपालों को अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण करने, भूमि विवादों का समाधान करने, सार्वजनिक भूमि पर अवैध अतिक्रमण को हटाने के आदेश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकांश शिकायतें भूमि पैमाइश, पारिवारिक संपत्ति विवाद, अवैध कब्जे से जुड़ी होती हैं। यदि लेखपाल सक्रिय रहें तो इन शिकायतों में कमी लाई जा सकती है। लंबित शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर निपटाने का भी निर्देश दिया।दो पात्र लाभार्थियों, श्रीमती इंदू देवी झुझुनूवाल , श्रीमती मीना उपाध्याय को मौके पर ही राशन कार्ड (लाल कार्ड) प्रदान किए गए। श्रीमती ज्ञांति की खतौनी में सुधार कर तत्काल राहत दी गई।पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने पुलिस से जुड़े मामलों की सुनवाई की और अधिकारियों व थानाध्यक्षों को शिकायतों के निस्तारण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। समाधान दिवस में 83 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, 38 राजस्व विभाग, 18 पुलिस विभाग, 7 विकास विभाग, 1 शिक्षा विभाग, 9 खाद्य एवं रसद विभाग और 10 अन्य विभागों से संबंधित रहीं। 6 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष 77 शिकायतों को संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देशों के साथ सौंपा गया।खंड विकास अधिकारी और संबंधित थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

संदिग्ध हालत मे गले मे फंदा डाल महिला फांसी पर झूली मौत, परिवार मे मचा कोहराम

ईस्ट इंडिया टाइम्स रिपोर्ट आदिल अमान/ कायमगंज।फर्रुखाबाद/कम्पिल क्षेत्र के गांव होतेपुर निवासी सोनी (40) पत्नी प्रवेन्द्र ने संदिग्ध हालत मे घर मे गले मे फांसी का फंदा डाल फांसी पर झूल गई। जब परिजनों ने यह देखा तो उनके हाथ पाओ फूल गए उन्हीने सोनी को फांसी के फंदे से उतारा और गंभीर हालत मे सीएचसी लाये जहाँ डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर सुन परिजन अस्पताल की ओर दौड़े चले आये। और शव के चारों और रोने पीटने पड़ गए। मृतिका की 13 वर्षीय पुत्री काव्या व 8 वर्षीय पुत्र अक्षदीप का रो रो कर बुरा हाल था। मिली सूचना पर कम्पिल पुलिस सीएचसी पहुंची। शव का पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

सीबीआई ने दर्ज की 39 सिमकार्ड डीलरों पर रिपोर्ट

जिला संवाददाता, लखनऊ, 17 मई। सीबीआई ने फर्जी नाम व पते पर प्री–एक्टिवेटेडे सिमकार्ड बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। इस गिरोह में सक्रिय 39 सिमकार्ड डीलरों (प्वाइंट ऑफ सेल) पर ईओ–द्वितीय थाने में रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपियों ने साइबर क्राइम से जुड़े गिरोहों को यह प्री–एक्टिवेटेडे सिमकार्ड उपलब्ध कराये थे। आरोपी 39 डीलरों में यूपी के लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, आगरा, हाथरस और कन्नौज के 9 डीलर भी शामिल हैं। सीबीआई मामले की जांच कर रही है।सीबीआई ने हाल ही में आपरेशन चक्र–5 के तहत देश में साइबर क्राइम गिरोहों को प्री–एक्टिवेटेडे सिमकार्ड उपलब्ध कराने वाले गिरोह के कई ठिकानों पर छापेमारी की। इस फर्जीवाड़े में पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, बिहार, तामिलनाडु और कर्नाटक के तमाम सिम कार्ड डीलर भी शामिल हैं। इन फर्जी सिम कार्ड के जरिये डिजिटल अरेस्ट, जासूसी, फर्जी विज्ञापन, निवेश संबंधी फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड आदि साइबर क्राइम अंजाम दिया जा रहा था। साइबर क्राइम के इस फर्जीवाड़े में यूपी के लखनऊ, आगरा, हाथरस, हरदोई, कन्नौज और उन्नाव के नौ डीलर शामिल हैं। इनमें लखनऊ के जानकीपुरम के अदिति मोबाइल रिपेयरिंग एंड एक्सेसरीज का मनोज कुमार वर्मा, उन्नाव के अमित टेलीकॉम का आशीष, आगरा के दीपक कम्युनिकेशन का दीपक माहौर, हरदोई के अंकित टेलीकॉम का अंकित कुमार व बंशीधर, हाथरस का राजीव सागर, मुकेश कुमार, न्यू सुजाता मोबाइल का धारा सिंह और कन्नौज के तिवारी किराना स्टोर का सत्यम तिवारी के नाम शामिल है। इन सभी के खिलाफ सीबीआई ने ईओ–द्वितीय थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज किया है। जांच में सामने आया है कि इन सभी 39 डीलरों ने करीब 1100 सिम कार्ड फर्जी नाम पते पर बेचे थे। इन सिमकार्ड का प्रयोग दक्षिण एशिया के देशों में साइबर ठगी के लिए किया गया। इन सिमकार्ड का प्रयोग बैंकों में फर्जी नाम से खाते खोलने और लोगों को ठगने में किया जा रहा था। साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर करीब 2200 शिकायतें मिलने पर इसकी पड़ताल शुरू की गई थी। जांच में पता चला कि डीलरों द्वारा सिम खरीदने वाले ग्राहक का केवाईसी कराने के दौरान उसका इस्तेमाल दूसरे सिम की बिक्री में भी कर रहे थे।

ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर निकली तिरंगा यात्रा

रिपोर्ट विरेन्द्र तोमर /बागपत। बड़ौत कस्बे में भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों के विरुद्ध चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जिलेभर में देशभक्ति की भावना उमड़ पड़ी है। पाकिस्तान के आतंकियों के खात्मे पर सेना के प्रति आभार प्रकट करते वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री केपी मलिक के नेतृत्व में नगर केजरीवाल दिगंबर जैन इंटर कॉलेज के पांडुशिला से शुरू हुई तिरंगा यात्रा अग्रसेन मूर्ति, संजय मूर्ति, नेहरू मूर्ति से होते हुए फूंस वाली मस्जिद से मुख्य बाजार से दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित पीएन शर्मा पार्क पर समापन हुआ। जहां पर शहीदों की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। इसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भारत माता की जय, हिन्दुस्तान जिन्दाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के गगनभेदी नारे लगाए गए। राज्य मंत्री केपी मलिक ने सेना के पराक्रम और साहस की सराहना करते हुए कहा कि पीएम मोदी की दुरदर्शिता के कारण भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मारा और उनके आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। भारतीय सेना ने न सिर्फ अपने शौर्य का प्रदर्शन किया, बल्कि भारत की सैन्य शक्ति का बखूबी दर्शाया। तिरंगा यात्रा किसी पार्टी का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह देश का, समाज का, हमारी सेना के सम्मान के लिए किया जा रहा कार्यक्रम है।मंत्रीडॉ चन्द्रमोहन ने कहा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकियों और उसके आका पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है। जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय, जिला महामंत्री एडवोकेट बिजेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राकेश जैन, कुलदीप भारद्वाज, मंडल प्रभारी डॉ नीरज कौशिक, मीडिया प्रभारी पवन शर्मा, नगर अध्यक्ष चिराग जैन, पूर्व जिला महामंत्री राजेश चौहान, राजीव तोमर, रविन्द्र आर्य, सत्यबीर सिंह बड़का, योगेश सभासद, ईओ मनोज रस्तोगी, प्रभात तोमर, दिनेश प्रधान, नितिन जैन, अंकित लपराना, मीनाक्षी सिसोदिया, राखी राजपूत, सतेन्द्र मौर्य, रणवीर फौजी, मुदित जैन, राहुल तोमर, प्रतिभा शर्मा, सविता गोयल, आदि मौजूद रहे।

भारत के सबसे मशहूर संग्रहालय

छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय मुंबई।

सिटी पैलेस संग्रहालय उदयपुर।

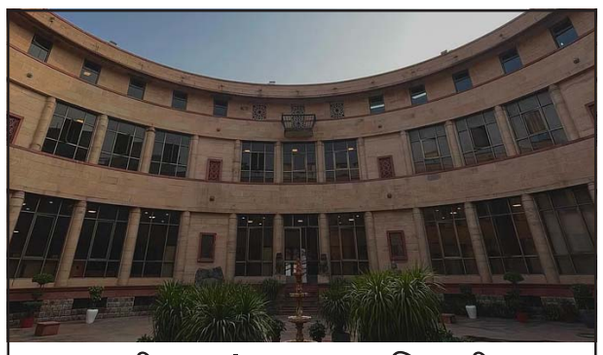

राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली।

भारतीय संग्रहालय कोलकाता

प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 18 मई को मनाया जाता है। संग्रहालय दिवस मनाने का उद्देश्य म्यूजियम के महत्व और भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। संग्रहालय वह स्थान है, जहां कोई देश अपनी संस्कृति, परंपरा और ऐतिहासिक महत्व रखने वाली अतीत की स्मृतियों के अवशेषों और कलाकृतियों को संरक्षित रखते हैं। विश्व भर में कई बड़े, बहुत पुराने और लोकप्रिय संग्रहालय मौजूद हैं। भारत के कई प्राचीन और प्रसिद्ध संग्रहालय हैं जो हमारी सभ्यता, कला, विज्ञान और परंपराओं की झलक प्रस्तुत करते हैं। यदि आप घूमने के शौकीन हैं और देश की विरासत को नजदीक से समझना चाहते हैं, तो इन प्रमुख संग्रहालयों की यात्रा जरूर करें।भारतीय संग्रहालय, कोलकाता– कोलकाता में भारतीय संग्रहालय स्थित है जिसकी स्थापना 1814 में बंगाल की एशियाटिक सोसाइटी ने की थी। यह संग्रहालय कोलकाता के 1 पार्क स्ट्रीट में स्थित है। कोलकाता का इंडियन म्यूजियम न केवल भारतीय महाद्वीप में बल्कि विश्व के एशिया–प्रशांत क्षेत्र में भी सबसे पुराना और सबसे बड़ा बहुउद्देशीय संग्रहालय है। यहां देखने के लिए प्राचीन कलाकृतियां, ममी, बौद्ध अवशेष, आभूषण, हड्डियां आदि रख गए हैं।राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली– राजधानी दिल्ली में स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय का इतिहास आजादी के बाद का है। वर्ष 1949 में इस संग्रहालय की स्थापना हुई थी। यहां दो लाख से अधिक कलाकृतियों को संग्रहित किया गया है। नेशनल म्यूजियम आने वाले दार्शनिकों को यहां सिंधु घाटी सभ्यता, गुप्तकालीन मूर्तियां, हथियार, वस्त्र और चित्रकला आदि देखने और इनके बारे में समझने का मौका मिलता है।प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूजियम, मुंबई – प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूजियम को छत्रपति शिवाजी महाराज वस्तु संग्रहालय के नाम से भी जाना जाता है, जो आर्थिक राजधानी मुंबई में स्थित है। इस संग्रहालय की स्थापना 1922 में हुई थी। मुंबई के म्यूजियम में भारतीय कला, शिल्प और प्राचीन वस्तुओं का भंडार है। यहां देखने योग्य बौद्ध अवशेष, मूर्तियां, हथियार और पेंटिंग का शानदार कलेक्शन है।सिटी पैलेस म्यूजियम, उदयपुर उदयपुर में सिटी पैलेस संग्रहालय है, जिसका इतिहास मेवाड़ के शासकों के इतिहास से जुड़ा है। इसका निर्माण 1559 में महाराणा उदय सिंह ने कराया था जब उन्होंने अपनी राजधानी चित्तौड़गढ़ से उदयपुर में स्थानांतरित की। 1969 में यह संग्रहालय के रूप में जनता के लिए खोल दिया गया जहां शाही हथियार, पोशाक, महल का शाही वैभव को प्रदर्शित किया जाता है।

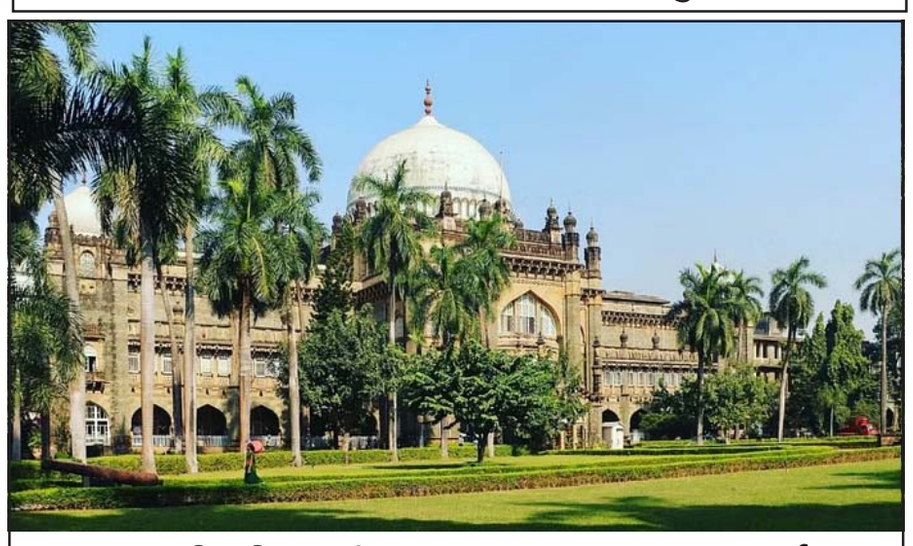

छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय मुंबई

शादीशुदा बेटियों को मिलेगा जमीन में हिस्सा ?

यूपी सरकार जल्द लेगी फैसला, 2027 चुनाव में आधी आबादी पर नजर

यूपी। यूपी में शादीशुदा बेटियों को भी पिता की कृषि भूमि में हक देने की तैयारी है। हालांकि, हिस्सेदारी का प्रतिशत अभी तय नहीं है। राजस्व परिषद ने इसका प्रपोजल तैयार कर लिया है। इसे जल्द ही योगी कैबिनेट में मंजूरी के लिए ले जाया जाएगा।कैबिनेट से पास होते ही राज्यपाल की मुहर के बाद ये कानून बन जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो सरकार का यह कदम 2027 चुनाव से पहले महिला वोट बैंक को साधने के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है। जानिए, सरकार यह नियम क्यों ला रही है? इससे बेटियों को क्या फायदा होगा? बसे पहले पढ़िए, अभी क्या नियम है– अभी राजस्व संहिता की धारा 108 के तहत पिता की कृषि भूमि में पहला हक बेटे और पत्नी का है। बेटा ना होने पर पत्नी और अविवाहित बेटी का हक है। अगर बेटा, पत्नी और अविवाहित बेटी नहीं है तो ही शादीशुदा बेटी को पिता की कृषि भूमि में हक मिलता है। यूपी में बेटा, पत्नी और अविवाहित बेटी होने की स्थिति में किसी शादीशुदा बेटी को उसके पिता की संपत्ति (कृषि भूमि) में हक नहीं मिलता है। अभी यहां पर शादीशुदा बेटियों को हक हैरू यूपी के पड़ोसी राज्य राजस्थान, मध्यप्रदेश में शादीशुदा बेटी को भी पिता की कृषि भूमि में बराबर हिस्सा देने का नियम है।कैसे लागू होगा, किसे मिलेगा लाभ? कानून के जानकार बताते हैं कि राजस्व परिषद के प्रस्ताव पर पहले विधि एवं न्याय विभाग की भी राय ली जाएगी स उसके बाद विधायी विभाग से भी सलाह ली जाएगी। वित्त विभाग से एनओसी मिलने के बाद प्रस्ताव कैबिनेट में पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद विधानमंडल के दोनों सदनों से प्रस्ताव पारित कराना होगा। विधानमंडल की मंजूरी के बाद राजयपाल की मंजूरी ली जाएगी। उसके बाद राजस्व संहिता में संशोधन कर यह नियम लागू होगा। यह नियम जिस दिन से लागू होगा, उसके बाद के निर्धारित होने वाली विरासत में ही इसका लाभ

शादीशुदा बेटी को मिल सकेगा। यह कदम क्यों उठाया जा रहा – जानकारों का मानना है कि बेटी की शादी के बाद अगर उसके पति की मृत्यु हो जाती है या फिर तलाक हो जाता है, ऐसी स्थिति में कृषि भूमि में हक ना मिलने से वह असहाय हो जाती है। राजस्व परिषद में अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जब विवाहित बेटियां पिता की कृषि भूमि में हक दिलाने की गुहार लगाती हैं। लेकिन राजस्व संहिता में प्रावधान नहीं होने के कारण अधिकारी भी नियमों का हवाला देकर लाचारी प्रकट करते हैं।

उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार ने शादीशुदा बेटियों को पिता की कृषि भूमि में हक दिलाने के लिए मसौदा तैयार किया है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार की सैद्धांतिक सहमति के बाद ही इसे तैयार किया गया है। इसके तहत शादीशुदा बेटी को भी पिता की कृषि भूमि में हिस्सा मिल सकेगा। हालांकि, यह हिस्सेदारी कितनी होगी? यह सीएम योगी आदित्यनाथ के फैसले के बाद ही तय होगा। राजनीतिक मायनेरू महिलाओं को साधने में बड़ा कदम होगा– जानकार मानते हैं कि विधानसभा चुनाव 2027 से पहले यह महिलाओं को साधने की दिशा में बड़ा कदम होगा। सरकार महिलाओं का वोट बैंक पक्का करने के लिए योजना पर विचार कर रही है। ऐसे में शादीशुदा बेटियों को पिता की कृषि भूमि में हक दिलाने से सरकार को राजनीतिक फायदा मिल सकता है। सरकार ने हाल ही में महिलाओं के नाम भूमि व संपत्ति की रजिस्ट्री कराने पर स्टांप ड्यूटी में छूट का प्रावधान भी रखा है।व्यवस्था आसान बनाने के लिए ये कदम उठाए जाएंगे– राजस्व परिषद ने स्टांप रजिस्ट्रेशन विभाग को भी परिषद के अधीन करने का प्रस्ताव तैयार किया है।परिषद प्रशासन का मानना है कि इससे किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री होते ही वह राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हो सकेगी।जमीन की रजिस्ट्री के बाद नामांतरण को लेकर अक्सर विवाद की स्थिति रहती है। दोनों विभागों का नियंत्रण परिषद के पास होने से इस समस्या का समाधान भी हो सकेगा।राजस्व परिषद ने चकबंदी लेखपालों को भी राजस्व परिषद के अंडर ही रखने का प्रस्ताव दिया है।परिषद प्रशासन का मानना है कि ऐसा करने से दोनों विभागों के बीच गतिरोध खत्म होगा। चकबंदी का काम समय पर पूरा होगा। राजस्व विवादों की संख्या में भी कमी आएगी।कानून के जानकार बोले– विवाद बढ़ेगा

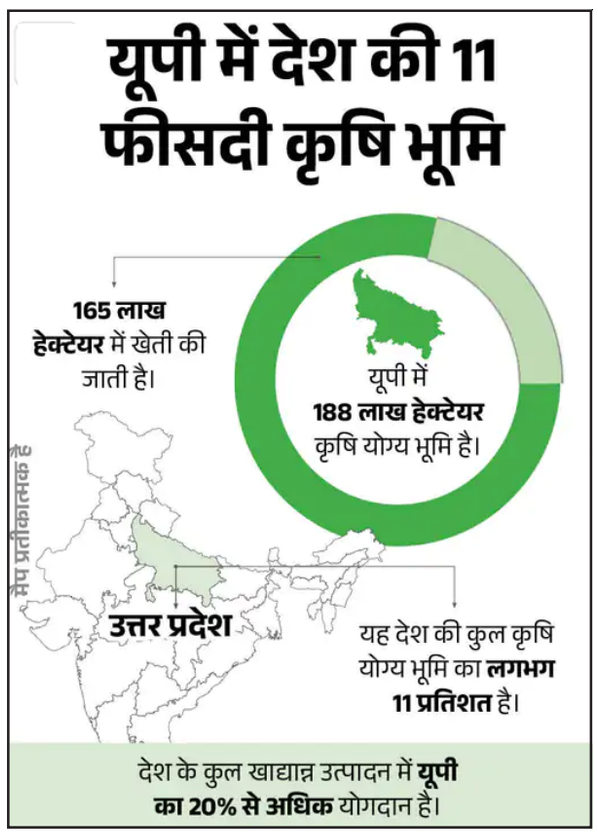

राजस्व बार एसोसिएशन, लखनऊ के अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी का कहना है कि इस निर्णय का दूरगामी परिणाम अच्छा नहीं होगा। अभी कृषि भूमि में विवाहित बेटी का हक नहीं होने के कारण बहन–भाई के संबंध मजबूत रहते हैं। भाई अपनी बहन को त्यौहार और शादी ब्याह में काफी कुछ देता है। बेटी को कृषि भूमि में हक देने से उन दोनों के बीच संपत्ति का विवाद शुरू हो जाएगा।

यूपी में तुर्किये का बायकॉट 1300 करोड़ का व्यापार बंद

यूपी। भारत–पाकिस्तान तनाव के बीच पाक का साथ देने पर कानपुर के कारोबारियों ने तुर्किये से व्यापारिक संबंध खत्म कर दिए हैं। टर्किस मार्बल के करीब 80 फीसदी ऑर्डर कैंसिल कर दिए। लेदर और एग्रीकल्चर से जुड़ा सामान भी तुर्किये नहीं भेजेंगे।कानपुर में तुर्किये से एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट का करीब 1300 करोड़ का सालाना कारोबार होता है। इसमें अकेले मार्बल का सलाना कारोबार करीब 600 करोड़ रुपए का है। वहीं अलीगढ़ के कारोबारी भी तुर्किये को ताला और हार्डवेयर के सामान नहीं भेजेंगे।मुस्लिम विश्वविद्यालय ने तुर्किये से अपने सभी शैक्षिक संबंध खत्म कर दिए। अब DPX#का तुर्किये के किसी भी विश्वविद्यालय के साथ कोई संबंध नहीं रहेगा।फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया– तुर्किये में कानपुर के लेदर, एग्रीकल्चर, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक उत्पादों की ज्यादा डिमांड है। इसके अलावा मीट, डेयरी, प्लास्टिक, पशुओं के आहार संबंधी सामान भी भेजा जाता है। यह कारोबार सालाना 700 करोड़ का होता है।कानपुर मार्बल एंड टाइल्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी व कारोबारी हिमांशु पाल ने बताया– कानपुर में मार्बल का बड़ा कारोबार है। जो सालाना 600 करोड़ रुपए का है।

महिला को बचाने नहर में कूदा सिपाही...मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कौशांबी में शनिवार को एक महिला नहर में कूद गई। महिला को बचाने के लिए ट्रैफिक पुलिस के दरोगा और सिपाही भी कूद गए। इसके बाद दोनों गहरे पानी में चले गए। तीन लोगों को डूबते देख गोताखोर भी नहर में कूद गए। गोताखोरों ने महिला और दरोगा को बचा लिया, लेकिन सिपाही को नहीं ढूंढ पाए।सूचना पर कौशांबी इंस्पेक्टर अजय शर्मा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। च।ब के गोताखोरों से सिपाही की तलाश कराई गई। करीब 2 घंटे बाद सिपाही को नहर से निकाला गया। पीएसी और पुलिस फोर्स सिपाही को तुरंत हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने सिपाही को मृत घोषित कर दिया।उधर, नहर से निकाली गई महिला से लोगों ने कूदने की वजह पूछी तो कहने लगी– सास ने गहने चुराने का

आरोप लगाया था। जब मैंने अपने भाई से बात की, तो उसने कहा– तू हम सबके लिए मर गई है। इसलिए मैं जान देने के लिए नहर में कूद गई।इससे पहले शुक्रवार को बिजनौर में बदमाश को बचाने के लिए सिपाही नहर में कूद गया था। करंट लगने से उसकी मौत हो गई थी। हुआ यूं कि शुक्रवार रात पुलिस टीम ने बदमाशों की कार को घेर लिया। पुलिस को देखते ही बदमाश फायरिंग करते हुए भागने लगे। इसी दौरान कार बिजली के पोल से टकराकर नहर में गिर गई।बदमाशों का पीछा कर रहे पुलिसकर्मी भी नहर में कूद गए। बिजली का पोल नहर में गिरा था, इसलिए उसमें करंट आ रहा था। करंट से एक बदमाश और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। साथी पुलिसकर्मियों ने तीनों को नहर से निकाला। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई।सिपाही अंकित तोमर के नहर में डूबने के बाद पुलिस के कई बड़े अफसर भी मौके पर पहुंचे। दमकल और पीएसी के गोताखोरों को बुलाया गया। कौशांबी में नहर में पानी की गहराई करीब 10 से 12 फीट है। सिपाही के गहरे पानी में चले जाने की वजह से करीब 2 घंटे बाद उसे नहर से बाहर निकाला जा सका।फिर तुरंत पीएसी के गोताखोर और आसपास के लोग बेहोशी की हालत में सिपाही अंकित को ऑटो से ही अस्पताल लेकर पहुंचे। मृतक सिपाही अंकित तोमर अलीगढ़ के रहने वाले थे। उनका साल–2015 में सिपाही पद पर सिलेक्शन हुआ था। नहर में कूदने वाली महिला आरती ने पुलिस को बताया– मैंने लव मैरिज की है। ससुराल में मेरी सास ने मुझ पर जेवर चोरी का आरोप लगाया था। मैंने अपने भाई को कॉल कर पूरी बात बताई। इस पर मेरा भाई मुझसे और मेरे पति से गाली–गलौज करने लगा।इस पर मेरे पति ने भाई से कहा– गाली देकर बात मत करो। फिर भी मेरा भाई नहीं माना और गालियां देता रहा। इसके बाद मैंने अपने भाई से बात की तो उसने मुझसे कहा– हमारी तरफ से तू मर गई है। हमारा या हमारे परिवार का तुझसे कोई लेना–देना नहीं। इसके बाद मैं आत्महत्या करने के इरादे से नहर में कूद गई थी। मुझे कूदते हुए एक आंटी ने देख लिया था। उनके चिल्लाने पर पुलिस वाले भइया आ गए। लेकिन तब तक मैं कूद चुकी थी। फिर वो दोनों लोग भी मुझे बचाने के लिए नहर में कूद गए थे।

बिजनौर में बदमाश को बचाने के चक्कर में एक सिपाही की मौत हो गई। दरअसल, कोतवाली शहर क्षेत्र के चक्कर चौराहे पर स्विफ्ट कार में सवार 4 बदमाशों ने एक ट्रक ड्राइवर के साथ मारपीट की और फायरिंग कर दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

500 साल में दूसरी बार नही होगा बहराइच में जेठ मेला

15 लाख लोग आते हैं गाजी मियां दरगाह पर, 400–500 करोड़ का होता है कारोबार

बहराइच। बहराइच में गाजी मियां की दरगाह पर इस साल जेठ मेला नहीं लग रहा। 500 साल में ऐसा दूसरी बार हो रहा है। मेला 15 मई से 15 जून तक चलता है। अलग–अलग जिलों में विवाद और पहलगाम हमले के चलते प्रशासन ने यह फैसला लिया। इसके खिलाफ दरगाह कमेटी हाईकोर्ट तक गई, लेकिन परमिशन नहीं मिली। अब 19 मई को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच फिर से मामले की सुनवाई करेगी। मेला लगने की स्थिति में यहां के दुकानदारों की अच्छी कमाई होती है, लेकिन इस साल वो लोग निराश हैं। उन्हें उम्मीद थी कि मेला लगता तो अच्छा पैसा बन जाता। इससे पहले संभल में भी प्रशासन ने नेजा मेला की इजाजत नहीं दी थी।15 अप्रैल, 2025 को सैयद सालार गाजी दरगाह की प्रबंध कमेटी ने जिला प्रशासन को पत्र भेजकर जेठ मेला की इजाजत मांगी। पत्र पुलिस विभाग, नगर पालिका और एसडीएम तक पहुंचा। 3 मई, 2025 को नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर ने 45 सेकेंड का एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को देखते हुए और विभिन्न परिस्थितियां उत्पन्न होने के चलते इस वक्त मेला लगाने की इजाजत देना उचित नहीं है। दरगाह प्रबंधन कमेटी इसके बाद हाईकोर्ट भी गया, लेकिन वहां से भी परमिशन नहीं मिली।इससे पहले साल– 2020 में जिस वक्त देश में कोरोना महामारी फैली थी, उस वक्त दरगाह कमेटी ने ही मेला नहीं लगाया था। इसके अलावा हमेशा मेला लगता रहा है। पिछले साल इस मेले में करीब 15 लाख लोग शामिल हुए थे। जेठ के महीने में शनिवार, रविवार और सोमवार को सबसे ज्यादा भीड़ होती थी। बाकी दिनों में कम लोग आते थे।हमारी मुलाकात दरगाह के बाहर बहराइच जिले के ही व्यवसायी अमरीश कुमार वर्मा से हुई। हमने पूछा कि आप यहां क्या देखकर आते हैं? अमरीश कहते हैं– हम लोग यहां कुछ देखने नहीं आते। हम लोगों को जैसे ही कोई परेशानी होती है, हम यहां चले आते हैं। वह परेशानी दूर हो जाती है। जो परेशानियां होती हैं, उन्हें हम यहां न किसी को दिखा सकते हैं और न बता सकते हैं। हम लोग यहां डॉक्टर के हिसाब से आते हैं। जैसे डॉक्टर के पास गए और उन्होंने दवा दी तो ठीक हो गए। उसी तरह से यहां भी है। मैं बहुत बीमार था, यहीं से ठीक हुआ। अब आराम है देखिए अच्छे से चल रहा हूं। हमने अमरीश से पूछा कि इस बार मेला नहीं लग रहा, आपका क्या कहना है? वह कहते हैं– देखिए ये सब इतिहास की बातें हैं। यहां जो लोग आते हैं, उनका उस इतिहास से कोई मतलब ही नहीं होता। जैसे क्षेत्रीय देवता होते हैं, ठीक वैसे ही यहां भी है।यहीं हमें गोंडा के तुफैल मिले। तुफैल किसान हैं। वह कहते हैं– हम साल में 5–6 बार यहां आते हैं। यहीं फातिया पढ़ते हैं और फिर घर चले जाते हैं। इस साल मेला नहीं लग रहा, अगर लगता तो बहुत भीड़ होती। मेले से किसी को परेशानी भी नहीं होती। मेले में बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश तक के लोग आते थे। इसमें हिंदू–मुस्लिम सब होते थे। अब आप खुद समझिए अगर उन्हें फायदा नहीं होता तो यहां क्यों आते? लोग अपनी मान–मर्यादा लेकर आते हैं, वह पूरी भी होती है। 'मेला होता तो 30–40 हजार कमाता'– हमने यहां के स्थानीय दुकानदारों से बात की। शहबान ठेले पर चूड़ी बेचते हैं। वह कहते हैं– हम पिछले 15 साल से यह धंधा कर रहे हैं। मेला लगता तो बहुत रुपए कमाते। हनीफ यहां पराठा–हलवा बेचते हैं। वह कहते हैं– मेरी जानकारी में पहली बार है, जब मेला नहीं लग रहा। मेला लगता तो यहां के जितने भी दुकानदार हैं, उनका अच्छा बिजनेस होता। पब्लिक बहुत आती है। इसमें हिंदू ज्यादा होते हैं। अब मेला नहीं लग रहा है, तो सबका ही नुकसान है। 65 साल के किसान अब्दुल्ला दरगाह के ही पास के एक गांव में रहते हैं। वह कहते हैं– पिछले 50 साल से यहां के मेले को देख रहा हूं। मेला नहीं होने से 90: लोगों का रोजगार चला गया। मेले में कितने सारे लोगों को रोजगार मिलता था। न सिर्फ मुस्लिम, यहां बहुत सारे हिंदुओं की भी दुकानें हैं। सभी मेले में आराम से आते थे। यहीं मिले चप्पल–जूता दुकानदार अब्दुल वाहिद कहते हैं– मेला नहीं लगने से गरीबों का बहुत नुकसान हुआ। कुल्चे का ठेला लगाने वाले दुकानदारों को उम्मीद होती है कि यहां से कमाई करके घर बनवाएंगे। बेटा–बेटी की शादी करेंगे। ऐसे करीब 50 हजार छोटे–बड़े दुकानदार और उनकी दुकानों पर काम करने वाले लोग हैं। मेला लगता है तो यहां 60प्रतिशत हिंदू दुकानदार ही होते हैं।दरगाह

मेला कमेटी का कहना है कि मेला लगने की स्थिति में दरगाह के चारों तरफ 1–1 किलोमीटर तक दुकानें सजती हैं। जेठ महीना शुरू होने पर जो पहला रविवार आता है, उस दिन करीब 3 लाख लोग यहां पहुंचते हैं। तमाम लोग शनिवार को ही बारात के साथ पहुंच जाते हैं। पिछले साल 250–300 बारातें शनिवार को पहुंचीं और रविवार को गाजी मियां की पूजा के बाद लौटीं। यह क्रम हर रविवार को चलता रहा। गुरुवार को भी बड़ी संख्या में लोग जुटते थे। कुल मिलाकर एक महीना चलने वाले इस मेले में करीब 15 लाख लोग शामिल होते थे। दरगाह के आसपास इस वक्त स्थायी रूप से करीब 200 दुकानें हैं। जो लोग यहां आते हैं, इन दुकानों पर खाते–पीते और खरीददारी करते हैं। मेला लगने की स्थिति में यहां करीब 1 हजार दुकानें हो जाती हैं। दरगाह कमेटी इसके लिए जमीनें अलॉट करती है। प्रशासन अग्निशमन की एनओसी जारी करता है। इसके अलावा पूरी व्यवस्था को देखने का काम नगर मजिस्ट्रेट का होता है। चूंकि मेला शहर में लगता है, इसलिए डीएम भी लगातार निगरानी करते हैं। पूर्व मंत्री बोले– 400–500 करोड़ का बिजनेस होता है– हमने सपा सरकार में मंत्री रहे बहराइच के ही यासर शाह से दरगाह के आसपास के बिजनेस के बारे में पूछा। वह कहते हैं– 5 लाख लोग अगर एक दिन में आ रहे, तो आप समझ लीजिए कि बाजार कितना बड़ा होगा। मेले को आप एक महीने का ही न जोड़िए, इसकी तैयारियां तो सालभर होती रहती हैं। अलग–अलग जिलों में कार्यक्रम चलता है। देवी पाटन का मेला उठकर बहराइच में आ जाता है।यासर शाह कहते हैं– भारत में मेलों से लोगों की रोजी–रोटी जुड़ी है। तमाम लोगों को रोजगार मिलता है। प्रदेश की इकोनॉमी में मेले का बड़ा योगदान होता है।बहराइच में सैयद सालार मसूद गाजी और इन राजाओं की संगठित सेना के बीच जंग हुई। इसमें महाराजा सुहेलदेव ने सैयद सालार को हरा दिया। युद्ध में सैयद सालार मारा भी गया। सैयद सालार को उसकी सेना ने वहीं बहराइच में ही दफना दिया। यहां आज भी उसकी कब्र है।

युवा भारत का भविष्य : स्वतंत्र देव सिंह

बाराबंकी। जीआईसी ऑडिटोरियम में जुटे जिले भर के मेधावियों से मिलकर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री उत्साहित हो उठे। मेधावियों से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा हर व्यक्ति के अंदर कोई न कोई प्रतिभा छिपी होती है। इसलिए विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारना होगा ताकि राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें।विद्यार्थियों को उत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना लेकर आगे बढ़िए और भारत को विश्वगुरु बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कीजिए। जलशक्ति मंत्री शनिवार को जीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।उन्होंने मेधावियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा, आप सभी देश के अनमोल रत्न हैं। हमें पूरा भरोसा है कि राष्ट्र को नई दिशा देने में आपकी प्रतिभा का भरपूर सहयोग मिलेगा।बतौर मुख्य वक्ता बोलते हुए अभाविप की प्रांत उपाध्यक्ष प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने कहा कि अभाविप विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है जो अपने स्थापना वर्ष 1948 से ही राष्ट्रवादी मुद्दों को लेकर कई आंदोलनों में सहभागी रहा है।उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थी पढ़ने का कार्य करते हैं जबकि अभाविप उन्हें गढ़ने का कार्य करता है।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को राष्ट्रहित के मामलों में मुखर होना चाहिए। उन्होंने मेधावियों को कठिनाइयों का डटकर सामना करते हुए लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रयासरत रहने की सलाह दी। नगर उपाध्यक्ष बलराम तिवारी ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। संगठन के नगर मंत्री विकास वर्मा ने अभाविप की कार्यशैली से मेधावियों को परिचित कराया। अभाविप के पूर्व कार्यकर्ता अजीत प्रताप सिंह ने राष्ट्र पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य सहयोग देने का विद्यार्थियों से आह्वाहन किया। कार्यक्रम अध्यक्ष विजय आनंद बाजपेई ने सभी का आभार ज्ञापित किया।इस अवसर पर हाइस्कूल से परास्नातक तक के 1580 विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थी,सह विभाग प्रचारक अमरजीत, फार्मा विजन राष्ट्रीय सह संयोजक आकाश पटेल, विभाग प्रमुख डॉ पीजे पांडे, विभाग संयोजक आदर्श सिंह, जिला प्रमुख डॉ अजय कुमार वर्मा, जिला संयोजक योगेश सिंह, आयुष वर्मा, स्तुति तिवारी, प्रांशी बाजपेई, अमिषा वर्मा, अदिति भार्गव, निदा, साक्षी वर्मा, आशीष मिश्रा, अभय यादव, आदर्श, प्रिंशी सिंह, श्रुति शुक्ल, काजल रावत, अभय शुक्ल, शुभम वर्मा, विभु पाठक, रचना, कामिल, अभय राम त्रिपाठी, अलका सिंह, जिज्ञासा गुप्ता मौजूद रहे।

अभाविप का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

फतेहपुर की तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसमुद्र

फतेहपुर, बाराबंकी। आपरेशन सिंदूर की सफलता से उत्साहित हजारों लोगों ने शनिवार सुबह नगर में भव्य भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाल कर सेना के अदम्य साहस–शौर्य को नमन किया। यात्रा में शामिल हर वर्ग के लोगों ने जोरदार नारेबाजी कर भारतीय सेना के साथ खड़े होने की हुंकार भरी। इस दौरान नगर की सभी दुकाने बंद रहीं। शुरुआत नेशनल इंटर कालेज के मैदान से हुई। यात्रा के दौरान विधायक साकेन्द्र वर्मा ने कहा कि दुश्मन देश के भीतर घुसकर सबक सिखाने की सेना की क्षमता और पराक्रम ने दुनिया के सामने नए भारत की तस्वीर पेश की है।

आतंकी देश को घुटनों के बल लाकर सेना ने हर देशवासी का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। बहादुर सैनिकों के साथ पूरा देश एकजुट है। शौर्य यात्रा में लहराते तिरंगों के साथ सेना के सम्मान में फतेहपुर मैदान में। भारत की सेना जिंदाबाद तथा भारत माता की जय जैसे जोशीले उद्घोष से माहौल गूंजता रहा। यात्रा तहसील, जोशी टोला, सट्टी बाजार, मेन रोड, पटेल चौक, बाईपास रोड होकर वापस नेशनल इंटर कॉलेज में समाप्त हुई। इस दौरान चौयरमैन इरशाद अहमद कमर, एसडीएम कार्तिकेय सिंह, सीओ जगतराम कन्नौजिया, राजीव नयन तिवारी, डा. अंजू चंद्रा, महंत हेमंत दास, रवींद्र वर्मा, बार अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद, ब्लॉक प्रमुख अनिल वर्मा, शीलरत्न मिहिर, डा. रामकुमार गिरी, प्रधान संघ के करुणा शंकर शुक्ला व देशराज वर्मा, सरदार रंजीत सिंह, मतीउल्लाह, मो. वहीद, महामंत्री जैन समाज प्रांशु जैन, अंशुमान मिश्रा, सुनील सोनी, टीनू जैन, निजामुद्दीन, गिरधर गोपाल गुप्ता, नाइन्टू सिंह, राजन सिंह, शिवम वर्मा, गुफरान ठेकेदार, आशीष सिंह, हंसराज सिंह, रामसिंह चौहान और पिन्टू सिंह समेत विभिन्न समुदायों से जुड़े तमाम लोग मौजूद रहे।

भारत–पाकिस्तान सीज फायर पर आप का विरोध

बाराबंकी में ह्यूमन बैनर से प्रदर्शन, पीओके वापस लेने का मौका गंवाने का आरोप

बाराबंकी। आम आदमी पार्टी ने बिना कोई लक्ष्य हासिल किए पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले पर ह्यूमन बैनर के जरिए तीखा हमला बोला है। शनिवार को आप ने स्टेषन रोड स्थित गन्ना दतर में ह्यूमन बैनर लगाकर जोरदार विरोध–प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पार्टी का कहना है कि भारतीय सेना पाक अधि. त कश्मीर (पीओके) वापस कब्जा कर सकती थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में आकर प्रधानमंत्री ने यह सुनहरा मौका गंवा कर भारतवासियों को धोखा दिया है। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष जुगराज सिंह ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछ रहा है कि उन्होंने पाकिस्तान से इतनी आसानी के साथ सीजफायर क्यों कर दिया? पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई को लेकर पूरा देश एकजुट था। साथ ही, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, सपा समेत सभी विपक्षी दल प्रधानमंत्री के साथ खड़े थे। प्रधानमंत्री के पास 56 इंच की छाती दिखाने का यह बड़ा मौका था। लेकिन मोदी जी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दबाव में आकर सीजफायर कर दिया। पाकिस्तान को सबक सिखाने और पीओके वापस लेने का बहुत अच्छा मौका था। लेकिन मोदी जी ने यह मौका खो दिया। अब ऐसा अच्छा मौका शायद मिले। आज पाकिस्तान कह रहा है कि उसने भारत को हरा दिया। सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान के ड्रोन भारत की सीमा में देखे जा रहे हैं। आप नेता जुगराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था और सभी विपक्षी दलों के साथ पूरा भारतीय उनके साथ खड़ा था।

महिला को वापस मिले पैसे

बाराबंकी। जिले में मोबाइल नम्बर बंद होने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक महिला के खाते से 20 हजार की रकम पर हाथ साफ कर दिया। मामले की शिकायत पर हरकत में आई साइबर क्राइम टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी गई सम्पूर्ण धनराशि महिला के खाते में वापस कराकर उसे बेड़ी राहत दिलाई है। साइबर सेल प्रभारी निय प्रकाश राय ने बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्र के विकास भवन कोठी डीह नियर तारा टिम्बर निवासी नेहा सेठी पत्नी पंकज सेठी को मोबाइल नम्बर बंद होने का झांसा देकर साइबर ठग ने व्हाट्सएप लिंक के माध्यम से उनके बैंक खाते में से 20 हजार ट्रांसफर कर लिए जाने का उल्लेख किया गया।

ड्राइवर–कंडक्टर के अभाव में खड़ी हो गई 25 बसें

अम्बेडकरनगर,17 मई। परिवहन निगम को न तो अपने घाटे की चिंता है और न ही यात्रियों की सुविधाओं की. ऐसी ही खबर अकबरपुर की है. बसों के संचालन के लिए ड्राइवर और कंडक्टर के न मिलने के कारण अकबरपुर डिपो की करीब 40 प्रतिशत बसे वर्कशॉप और डिपो में खड़ी हैं. डिपो से बड़ी संख्या में बसों का संचालन नियमित नहीं हो पा रहा. अकबरपुर डिपो में संचालित हो रही बसों के लगातार सफर में रहने की वजह से ब्रेक, स्टीयरिंग, एक्सीलेटर, बेयरिंग सहित अन्य पुर्जों में खराबी ज्यादा हो रही है. इसके कारण वर्कशॉप में बसों की संख्या लगातार बढ़ रही है.रोडवेज फैजाबाद परिक्षेत्र के अकबरपुर डिपो में रोजाना औसतन 25 बसें रुट पर नहीं जा पा रहीं हैं, जिसके चलते 5 लाख रुपये का नुकसान हो रहा है। इन बसों का संचालन ड्राइवरों, कंडक्टरों के अभाव में खड़ी रहती हैं। इसकी वजह से डग्गामार बसों को पनपने का मौका मिल रहा है। ऐसे में डिपो को राजस्व की हानि होने के साथ यात्रियों को रोडवेज की सुविधा नहीं मिल पा रही है।वर्तमान समय में डिपो में 85 बसें हैं, लेकिन चालक की कमी से प्रतिदिन लगभग 25 बसें डिपो में खड़ी रहती हैं। ऐसे में जिले के लोकल रूट पर प्रतिदिन यात्रियों को प्राइवेट वाहन से यात्रा करना पड़ता है। परिवहन निगम संविदा के रूप में 65 चालकों 75 परिचालक की भर्ती भी निकाला है, लेकिन अभी तक ड्राइवर डिपो में नहीं आ पाए है। ऐसे में डिपो पर बस रहने के बावजूद भी यात्रियों को निराश होकर प्राइवेट वाहनों के पास जाना पड़ रहा है। चालक परिचालक के अभाव में बसें डिपो में खड़ी हो गई हैं. जिससे बसों का संचालन कम हो गया है. इससे बड़ी संख्या में यात्री बसों के इंतजार में परेशान हो रहे हैं. जानकारों के अनुसार परिवहन निगम समय–समय पर जगह– जगह कैंप लगाकर संविदा पर चालकों की तैनाती तो कर ले रहा, लेकिन परिचालक नहीं मिल पा रहे। सेवा योजना के जेम पोर्टल के माध्यम से तैनाती की प्रक्रिया होने से संविदा परिचालक नहीं मिल पा रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली तिरंगा शौर्य यात्रा

तिरंगा यात्रा में बीजेपी कार्यकर्ता और आम लोग शामिल हुए

अम्बेडकरनगर,17 मई। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उत्साहित लोगों ने झांसी में तिरंगा यात्रा निकाली. भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं, नेताओं और स्थानीय लोगों ने इस तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया और भारतीय सेना के शौर्य के प्रति अपना समर्थन दिया. फवारा तिराहा से शुरू होकर तिरंगा यात्रा शहर के कई हिस्सों से होते हुए ।यह यात्रा देश की एकता, अखंडता, और संप्रभुता की रक्षा के लिए भारतीय सेना के अदम्य साहस को सलाम करने का प्रतीक बनी।भारत माता की जय, वंदे मातरम् के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। लोगों पाकिस्तान के विरोध में नारेबाजी की। त्र्यंबक तिवारी ने कहा की भारत ने हमेशा शांति और भाईचारे की राह को चुना है, लेकिन जब देश की सुरक्षा और नागरिकों की जान की बात आती है, तब भारत किसी भी हद तक जाकर अपने लोगों की रक्षा करता है। पहलगाम में निर्दोष भारतीयों की नृशंस हत्या के बाद सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया है।मिथिलेश तिवारी ने कहा की धर्म पूछकर आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों की हत्या की।भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने का बदला लेने के लिए सात मई को 'आपरेशन सिंदूरश के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के नौ ठिकानों को निशाना बनाया था।

किसानों को नहीं मिल रहा ढैंचा बीज

अम्बेडकरनगर,17 मई।अम्बेडकरनगर में किसानों को धान की रोपाई से पहले खेतों में ढैंचा की फसल उगाने के लिए बीज नहीं मिल पा रहा है। किसान इस फसल को हरी खाद के रूप में उपयोग कर खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाते हैं।कृषि विभाग ने इस बार किसानों के लिए 335 क्विंटल ढैंचा बीज का आवंटन किया है। इसमें 315 क्विंटल सामान्य वितरण के लिए और 40 क्विंटल प्रदर्शनी के लिए निर्धारित है। लेकिन अभी तक राजकीय कृषि गोदाम में बीज की आपूर्ति नहीं हुई है।बीज की कमी से किसान परेशान हैं। कुछ किसान बाजार से महंगे दामों पर बीज खरीदने को मजबूर हैं। जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय के अनुसार उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम को बीज आवंटित हो चुका है।

सेना के शौर्य एवं सम्मान के लिए उमड़ा देशभक्ति का सैलाब

बाराबंकी। शहर की सड़कों पर शनिवार की सुबह देशभक्ति का सैलाब उमड़ा। भारतीय सेना के अदम्य शौर्य को नमन करने एवं .तज्ञता ज्ञापित करने विभिन्न सामाजिक संगठनों, पूर्व सैनिकों, छात्र–छात्राओं तथा भाजपा के पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने जीआईसी ऑडिटोरियम से भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा की अगुवाई भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुभाश यदुवंश एवं प्रदेश सरकार के मंत्री सतीश शर्मा ने की। पटेल चौराहा स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुश्पांजलि के साथ शौर्य यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में शामिल लोगों के गगनभेदी जयघोश से संपूर्ण परिवेश देश भक्ति के रंग में डूब गया। प्रदेश महामंत्री सुभाश यदुवंश ने इस अवसर पर कहा कि पहलगाम की घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकियों को सबक सिखाने के लिए जो निर्णय लिए हैं, वे हम सभी के लिए गर्व की बात हैं। अगर आतंक के आका भारत की तरफ आंख उठाएंगे, तो हमारी सेनाएं उन्हें करारा जवाब देने को हमेशा तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने जिस सटीकता के साथ ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों एवं उनके आकाओं को सबक सिखाया है उसने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है। मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। भारतीय सेनाओं ने हमें एक बार फिर गर्व करने का अवसर दिया है।

कहा कि पूरा देश सेना के साथ खड़ा है। शौर्य यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों और तिरंगे की शान में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों का उत्साह देखते बनता था। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अरविंद मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, पूर्व सांसद उपेन्द्र सिंह रावत, विधायक दिनेश रावत, एमएलसी अंगद सिंह, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

हमारी सेना देश का गौरव : राकेश वर्मा 'कर्रा'

बाराबंकी। सेना के शौर्य, बलिदान और सम्मान को समर्पित शौर्य तिरंगा यात्रा का आयोजन शनिवार को शहर में किया गया। यह यात्रा राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) ऑडिटोरियम से शुरू होकर पटेल चौराहा तक निकाली गई।यात्रा में शामिल वरिश्ठ भाजपा नेता राकेश वर्मा 'कर्रा' ने हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति के नारों के साथ लोगों ने सेना के प्रति सम्मान और गर्व का भाव प्रकट किया। इस अवसर पर राकेश वर्मा 'कर्रा' ने कहा, हमारी सेना हमारे देश का गौरव है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में देशभक्ति की भावना मजबूत होती है और वे सेना के बलिदान को समझ पाते हैं। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा और यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए बताया कि आगे भी इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति और राश्ट्रप्रेम का संदेश जन–जन तक पहुंचाया जाएगा।

ईस्ट इंडिया टाइम्स
हिन्दी व अंग्रेजी
दैनिक

ब्रजेश कुमार भारती
सह सम्पादक
8009689001

पी.पी. गौतम
संस्थापक
डी.पी. पाल
उप सम्पादक
बब्लू खान
प्रबंध सम्पादक
ज्ञानेन्द्र कुमार
वरिष्ठ सम्पादक
मनोज चौबे
स्थानीय सम्पादक
नसीरूद्दीन खान
विधिक सलाहकार
जमाल अली
यू0पी0 हेड
7007906310

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र आजमगढ़ न्यायालय के अधीन होंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक वर्णिका आदित्य द्वारा वी0के0 प्रिन्टर्स केरमा, अशोना, आजमगढ़ , उ0प्र0 -276406 से मुद्रित व म.स.-11, केरमा, अशोना, जिला -आजमगढ़ उत्तर प्रदेश - 276406 से प्रकाशित।

एसी से निकलकर सीधे धूप में जाना पड़ सकता है भारी, बढ़ रहा ब्रेन हैमरेज का खतरा

गर्मियों में चिलचिलाती धूप और तपती गर्मी से बचने के लिए लोग एयर कंडीशनर (एसी) का खूब इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो एसी में बैठने के बाद अचानक धूप में निकलना बेहद खतरनाक हो सकता है। ऐसा करना शरीर पर गंभीर असर डाल सकता है और इससे ब्रेन हैमरेज का खतरा भी बढ़ सकता है।जमशेदपुर में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े– अप्रैल महीने में जमशेदपुर के एक अस्पताल में सिर्फ तीन दिनों (72 घंटे) के भीतर ब्रेन स्ट्रोक के 29 मामले सामने आए। ये सभी मरीज लंबे समय तक एसी में रहने के बाद अचानक धूप में निकले थे। डॉक्टरों ने पाया कि तापमान में अचानक हुए इस बदलाव से मरीजों की ब्लड प्रेशर में असंतुलन हुआ, जिससे ब्रेन स्ट्रोक या हैमरेज जैसी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई।एसी से धूप में जाते ही क्यों होता है खतरा– जब कोई व्यक्ति लम्बे समय तक एसी में रहता है तो शरीर का तापमान ठंडे वातावरण के हिसाब से ढल जाता है। ऐसे में यदि अचानक व्यक्ति तेज और गर्म धूप में निकलता है, तो शरीर को इस बदलाव को झेलने में परेशानी होती है। इससे ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ या घट सकता है, और यही स्थिति ब्रेन हैमरेज या स्ट्रोक का कारण बन जाती है।किन लोगों को सबसे ज़्यादा खतरा?विशेषज्ञों का कहना है कि यह खतरा हर किसी को हो सकता है, लेकिन निम्नलिखित लोग अधिक संवेदनशील होते हैं–50 साल से अधिक उम्र के लोगडायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या शुगर से पीड़ित लोगजिनका इम्यून सिस्टम कमजोर हैजो व्यक्ति धूप में जल्दी बाहर निकलते हैं बिना तैयारी केइनमें से अधिकांश मरीजों को एसी से बाहर आने के बाद 10–15 मिनट के अंदर ही लक्षण महसूस होने लगे थे।क्या कहते हैं डॉक्टर?इस मामले की निगरानी कर रहे डॉ का कहना है कि, एसी से सीधे तेज धूप में जाना जानलेवा हो सकता है। शरीर को दोनों तापमानों के बीच ढलने के लिए समय देना बेहद जरूरी है। वे सलाह देते हैं कि एसी से निकलते ही सीधे धूप में न जाएं, या तेज धूप से आकर तुरंत एसी में न बैठें। हमेशा कुछ समय सामान्य तापमान में बिताएं ताकि शरीर को अनुकूलता मिल सके।ब्रेन हैमरेज क्या होता है?ब्रेन हैमरेज यानी मस्तिष्क में रक्तस्राव। यह तब होता है जब ब्रेन की किसी नस में रक्त का रिसाव या फटन होती है। इसके कारण मस्तिष्क के हिस्से में रक्त प्रवाह रुक जाता है, जिससे व्यक्ति की जान तक जा सकती है। यह स्थिति खासकर हाई ब्लड प्रेशर और तापमान के अचानक बदलाव से उत्पन्न होती है।ब्रेन हैमरेज के लक्षणचेहरे, हाथ या पैर में अचानक सुन्नपनबोलने या समझने में कठिनाईतेज और अचानक सिरदर्दउल्टी और जी मिचलानाशरीर में जकड़न या कमजोरीखतरे से कैसे बचें? अपनाएं ये उपायएसी से निकलने के बाद तुरंत धूप में न जाएं पहले सामान्य तापमान में बैठें। धूप में निकलते समय सिर और शरीर को ढकें टोपी, स्कार्फ या छाता इस्तेमाल करें।पर्याप्त पानी पिएं शरीर को हाइड्रेटेड रखें।हल्के और ढीले कपड़े पहनें शरीर को गर्मी से बचाने के लिए।बीपी और डायबिटीज के मरीज सतर्क रहें। नियमित जांच कराते रहें।गर्मियों में राहत के लिए एसी का इस्तेमाल करना गलत नहीं है, लेकिन उससे जुड़ी सावधानियां न बरतना जानलेवा हो सकता है। शरीर को तापमान के बदलाव के साथ तालमेल बिठाने के लिए थोड़ा समय और समझदारी जरूरी है। इसलिए अपनी आदतों में थोड़े से बदलाव कर आप खुद को और अपने अपनों को एक बड़े खतरे से बचा सकते हैं।

कंधे पर फूल, चेहरे पर खुशी...एक बार फिर कान्स के रेड कार्पेट पर दिल्ली की नैंसी त्यागी ने लूटी महफिल

नैंसी त्यागी तो आपको याद ही होंगी। हसीना ने कान्स 2024 में धमाकेदार डेब्यू कर हर किसी को अपना फैन बना लिया था। अब फिर उसी नैंसी ने 78वें कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर महफिल लूट ली। खूबसूरत अंदाज में रेड कार्पेट पर उतरते ही नैंसी का लुक वायरल हो गया। नैंसी के लुक की सबसे खास बात ये है कि नैंसी खुद से डिजाइन की हुई ड्रेस में रेड कार्पेट पर उतरीं। अब उनका लुक सुर्खियां बटोर रहा है। लुक की बात करें तो हसीना ने खूबसूरत लाइट ब्लू गाउन में नजर आईं। इस कस्टम क्रिएशन में प्लंजिंग नेकलाइन, चमकदार सेक्विन से सजी कोर्सेटेड चोली और मल्टी–लेयर्ड ट्यूल स्कर्ट शामिल थी। नैंसी के लुक की हाइलाइट उनका शोल्डर पीस और ट्यूल लेयर्ड ट्रेल बनी जिन पर गुलाबों की भरमार है। कंधे के पीछे फूलों को इस तरह से लगाया है कि ये कवच वाली फील दे रहा है। जिसे उन्होंने ड्रेस से अटैच न करके अलग से पहना है। वहीं, बैक से बेल जा रही है, तो ट्रेल पर भी सेम पैटर्न फॉलो किया गया। नैंसी के लुक को स्टेटमेंट–मेकिंग ज्वेल पीस, नेल आर्ट और स्लीक सेंटर–पार्टेड ट्विस्टेड बन के साथ पूरा किया गया। उनके मेकअप लुक में सिल्वर स्मोकी आईज, विंग्ड आईलाइनर और ब्राउन लिप शेड शामिल थे। लगातार दूसरी बार अपने कान में पहुंचने पर नैंसी ने खुशी जताते हुए अपनी तस्वीरों के साथ इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट के कैप्शन में नैंसी ने लिखा–फिर से कान्स, फिर से रेड कार्पेट। कभी सोचा नहीं था, यह सफर इतना खूबसूरत होगा। उन सभी का दिल से शुक्रिया, जो इस यात्रा में साथ हैं। नैंसी ने पिछले साल कान में अपना डेब्यू किया था। तब उनका लुक काफी चर्चा में रहा था क्योंकि उसे नैंसी ने खुद से तैयार किया था। खूबसूरत गुलाबी गाउन में नैंसी ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इस गाउन को नैंसी ने खुद तैयार किया था। इसके बारे में जानकारी देते हुए नैंसी ने बताया था कि गाउन को बनाने में 30 दिन लगे 1000 मीटर कपड़ा बना और इसका वजन 20 किलोग्राम से अधिक था।

गुटखा पुड़िया बेचेंगे लेकिन पाकिस्तान हम तुमको बर्बाद करेंगे उनके मुंह से नहीं निकलेगा बॉलीवुड दिग्गज ने साधा स्टार्स पर निशाना

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया था।भारतीय सशस्त्रबलों ने ऑपरेशन सिन्दूर के तहत पाक और पीओके में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया था। ऑपरेशन सिन्दूर की हर भारतीय ने तारीफ की थी हालांकि कुछ बॉलीवुड सेलेब्स ने इस पर चुप्पी साधी हुई है। वहीं दिग्गज सिंगर अभिजीत सावंत ने एक इंटरव्यू में बिना नाम लिए बॉलीवुड के बड़े सितारों पर निशाना साधा और कहा कि ये पान मसाला बेचेंगे लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ कुछ नहीं बोलेंगे। अभिजीत भट्टाचार्ज ने कहा–पाकिस्तान के आर्टिस्ट ज्यादा नेशनलिस्ट हैं हमारे से ज्यादा। वो आज भी हमारे खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। हमने बनाया उनको। हमने

उनको पैसे दिए हमने उनको नाम दिया शहरत और उनको सिर्फ लोकल लोग पहचानते हैं। वर्ल्ड वाइड पहचानते हैं हमारे लिए वो लोग हमारे खिलाफ बात कर रहे हैं क्योंकि वो उनकी फितरत में है। अभिजीत ने आगे बॉलीवुड सितारों पर सवाल खड़े करते हुए कहा– श्यहां पर चुप्पी है और हम क्या कर रहे हैं? हम भी अपने ही खिलाफ बात कर रहे हैं या तो बात कर रहे हैं या बात कर ही नहीं रहे हैं। चुप्पी साधी भी गई।गुटखा बेचेंगे। पुड़िया बेचेंगे लेकिन यूं नहीं करेंगे– पाकिस्तान हम तुमको बर्बाद करेंगे कभी निकलेगा नहीं निकलेगा ही नहीं उनके मुंह से।पाकिस्तान शब्द मुंह से निकलेगा नहीं। एक्टर्स या एक्ट्रेसेस की यंग जनरेशन है फिल्म इंडस्ट्री में वो शायद इस बात को लेकर भी ज्यादा कंसर्न रहते हैं क्योंकि पाकिस्तान में उनको लगता है उनकी एक बड़ी फैन फॉलोइंग है।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी कि वापसी, नए अंदाज में प्रसारित होगी 'तुलसी' और 'मिहिर' की कहानी

भारत के सबसे लोकप्रिय टेलीविजन शो का नाम लें तो एकता कपूर की 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' लिस्ट में टॉप पर आती है। हिट शो नए अंदाज में फिर से प्रसारित होने जा रहा है। 20–भाग की मिनी मूवी सीरीज के रूप में जियो हॉटस्टार पर यह प्रसारित होगी। बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित यह सीरीज आज के दर्शकों के साथ पुराने दर्शकों को जोड़ती है। निर्माता एकता कपूर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, जब हमने दो दशक पहले क्योंकि सास भी कभी बहू थी बनाई थी, तो हमने कभी नहीं सोचा था कि यह भारत की टेलीविजन विरासत का इतना अहम हिस्सा बन जाएगा। क्योंकि सास भी कभी बहू थी तुलसी का सफर के साथ, हमारा इरादा मूल सीरीज के सबसे शानदार पलों को नए फॉर्मेट में फिर से देखना है। उन्होंने बताया, "यह उन किरदारों, भावनाओं और कहानियों के लिए एक सम्मान की तरह है, जो गहराई से इसके साथ जुड़े हुए हैं। हम पुराने और नई पीढ़ी के लिए जियो हॉटस्टार पर नए सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं।सीरीज में अहम भूमिका निभाने वाले रोनित रॉय ने कहा, मैं उत्साहित हूं कि जियो हॉटस्टार इस टाइमलेस स्टोरी को नए और रचनात्मक तरीके से जीवंत करने जा रहा है। लोगों के दिलों के इतने करीब की कहानी को पुराने प्रशंसकों और नए दर्शकों से जुड़ते हुए देखना अद्भुत है। मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।" मिहिर विरानी की भूमिका निभाने वाले अमर उपाध्याय ने कहा, क्योंकि सास भी कभी बहू थी तुलसी का सफर के जरिए उस दुनिया में वापस जाना किसी पुराने फोटो एल्बम को पलटने जैसा है। यह रीक्रिएट करने के बारे में नहीं है, बल्कि उन पलों को फिर से जीने के बारे में है, जिसने इतने सारे दिलों पर छाप छोड़ी। 3 घंटे की मिनी फिल्म हर शुक्रवार को जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगी।

संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर के सेट से आई बड़ी अपडेट

संजय लीला भंसाली एक बार फिर अपनी शानदार कहानी कहने की कला से दर्शकों को दीवाना करने वाले हैं। उनकी अगली फिल्म 'लव एंड वॉर' बॉलीवुड की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा इंतजार की जानें वाली फिल्मों में से एक है। बता दें कि इस फिल्म में इंडस्ट्री के तीन बड़े स्टार्स विक्की कौशल, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर लीड रोल्स में नजर आएंगे। इतने बड़े स्टार्स और संजय लीला भंसाली जैसे बड़े डायरेक्टर के साथ ये फिल्म एक जबरदस्त सिनेमैटिक स्पेक्टिकल होने वाली है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, और रिलीज का इंतजार भी बेसब्री से किया जा रहा है। सेट से पता चला है कि तीनों लीड एक साथ पहली बार एक दमदार सीन की शूटिंग कर रहे हैं, जो फिल्म में बड़ा ट्विस्ट लेकर आएगा। प्रोडक्शन से जुड़े एक सोर्स ने बताया, इस हफ्ते से तीनों लीड स्टार्स के साथ बड़ा शेड्यूल शुरू हो गया है। संजय सर ने प्रोजेक्ट की शूटिंग पिछले अक्टूबर में शुरू की थी, लेकिन ये पहली बार है जब रणबीर, आलिया और विक्की साथ में शूटिंग कर रहे हैं। अगले कुछ दिन काफी इमोशनल और दमदार सीन शूट किए जाएंगे, जो फिल्म की कहानी में बड़ा मोड़ लाएंगे। तीनों स्टार्स की शानदार एक्टिंग को देखते हुए, इन्हें एक साथ पर्दे पर देखना वाकई दिलचस्प होगा, खासकर जब इसे संजय लीला भंसाली की मास्टरफुल स्टोरीटेलिंग का जादू मिले। हाल ही में ैस्ठ के बर्थडे पार्टी में रणबीर कपूर और विक्की कौशल को मूंछों में देखा गया, जिसने फिल्म के लिए एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी बाहर नहीं आई है, लेकिन लव एंड वॉरश को लेकर क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है, जो इसे एक अनोखा सिनेमाई अनुभव बना सकता है।

प्रीति जिंटा की फिटनेस सीक्रेट: 50 की उम्र में भी यंगस्टर्स को दे रही हैं टक्कर!

जिंदगी की हाफ सेंचुरी (50 साल) पूरी करने के बाद भी अगर कोई बॉलीवुड एक्ट्रेस जवां और एनर्जेटिक दिखे, तो हैरानी होना लाजमी है। प्रीति जिंटा इसका परफेक्ट उदाहरण हैं। बॉलीवुड की खूबसूरत और चुलबुली एक्ट्रेस प्रीति जिंटा आज भी बेहद फिट और एक्टिव हैं। उनकी ताजा इंस्टाग्राम पोस्ट ने एक बार फिर साबित कर दिया कि फिट रहने के लिए उम्र कोई मायने नहीं रखती। उन्होंने अपने वर्कआउट का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो इंटेंस सर्किट ट्रेनिंग करती नजर आ रही हैं। ये सब कुछ उन्होंने अपने फिटनेस कोच यास्मीन कराचीवाला की मदद से किया।

फिटनेस सिर्फ स्टार्स के लिए नहीं, हम सबके लिए जरूरी है

हममें से कई लोग स्टार्स की लाइफस्टाइल, पैसा और पॉपुलैरिटी चाहते हैं, लेकिन उनकी मेहनत को अपनाना नहीं चाहते। प्रीति का फिटनेस वीडियो हमें सिखाता है कि अगर हम फिट रहना चाहते हैं, तो हमें भी नियमित एक्सरसाइज करनी होगी।

एक्सरसाइज क्यों जरूरी है?

मसल्स और हड्डियां मजबूत बनती हैं, वजन कंट्रोल में रहता है। डायबिटीज और हार्ट डिजीज जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। दिमाग शांत रहता है और मूड अच्छा होता है। नींद बेहतर आती है, एनर्जी बनी रहती है।

प्रीति जिंटा का मैसेज

प्रीति ने अपनी पोस्ट में लिखा, इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपने कितने सालों से ट्रेनिंग की है, आपको अपने वर्कआउट को समय–समय पर बदलते रहना चाहिए ताकि शरीर को नई चुनौती मिल सके।

मैं एक नए प्रोजेक्ट के लिए नई कसरत ट्राई कर रही हूं। उम्मीद है कि मेरा ये वीडियो किसी को जिम जाने के लिए प्रेरित करेगा।

सीखने की बात

उम्र चाहे जो भी हो, फिट रहने की चाह और मेहनत होनी चाहिए। फिजिकल एक्टिविटी से ना सिर्फ शरीर, बल्कि दिमाग भी हेल्दी रहता है। अगर आप जिम नहीं जा सकते, तो घर पर भी हल्की–फुल्की एक्सरसाइज शुरू कर सकते हैं। तो अब इंतजार किस बात का? प्रीति जिंटा की तरह आप भी फिट और एक्टिव रह सकते हैं। बस जरूरत है एक छोटे से कदम की।